सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सेहत संवारने के उपाय पेज: 7 | जब मैंने शुरूआत की थी तब हमारी इंडस्ट्री काफी पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 124 | शुक्रवार 07 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अखिलेश यादव का बीजेपी पर तंज: इनके विकास प्रोजेक्ट काम आने से पहले ढह जाते हैं

नई दिल्ली एजेंसी: समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में हाल ही में उद्घाटन की गई एक सड़क की खराब हालत के लिए बीजेपी सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सड़क के घटिया निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। 31 जनवरी को यादव ने पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें हाल ही में खुली एक सड़क पर मरम्मत का काम दिखाया गया था; बताया जा रहा है कि मरम्मत वाली जगह को जल्दी सुखाने के लिए इलेक्ट्रिक पंखों का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने प्रस्तावित अटल प्रोग्रेस वे के पूरा होने पर भी शक जताया और कहा कि हो सकता है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ.एक योजना बनकर रह जाए या सिर्फ. कागजों तक ही सीमित रहे। उन्होंने लिखा कि यह BJP-स्टाइल की तरक्की की नई लहर है। जिस सड़क का उद्घाटन कुछ दिन पहले ही हुआ था

एजेंसी:एफसीआरए बिल पर संसद में गतिरोध जारी, विपक्ष ने बताया कठोर बिल, दबाव में सरकार !

नई दिल्ली एजेंसी: सरकारी सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को संसद में 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026' पेश किए जाने की संभावना कम है, क्योंकि केंद्र और विपक्ष के बीच कोई सहमति नहीं बन पाई है। विपक्ष अपनी इस मांग पर अड़ा हुआ है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में नीट प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई के मुद्दे पर लोकसभा में बयान दें। सूत्रों के मुताबिक, सरकार लोकसभा में बिल तभी पेश करना चाहती है जब सदन के सामने सभी तथ्य रखे जाएं और उस पर ठीक से बहस हो। सरकार का मकसद हंगामे और विरोध के बजाय सभी के सहयोग से बिल को पास कराना है। बुधवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन

रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी से भी संपर्क किया। उन्होंने संसद के मॉनसून सत्र (जो 13 अगस्त को खत्म होगा) को सुचारू रूप से चलाने के लिए विपक्ष का सहयोग मांगा। पिछले 10 दिनों में यह दूसरी बार था जब रिजिजू ने गांधी से मुलाकात की। हालांकि, गांधी ने रिजिजू को कोई भरोसा नहीं दिया। कांग्रेस नेताओं ने इस बिल को 'कठोर' (कठोर) बताया है और कहा है कि वे इसे मौजूदा रूप में पास नहीं होने देंगे। एफसीआरए एक्ट यह बताता है कि भारतीय नागरिक, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ट्रस्ट, एसोसिएशन और कंपनियाँ भारत के बाहर से भेजे गए पैसे,

विपक्ष इसे 'कठोर' बताते हुए एनजीओ की संपत्ति जब्त करने.....

केंद्र और विपक्ष के बीच सहमति न बन पाने के कारण एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 संसद में पेश होने की संभावना कम है। विपक्ष इसे 'कठोर' बताते हुए एनजीओ की संपत्ति जब्त करने और उन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाने की आशंका जता रहा है

सिक्योरिटी या सामान कैसे ले सकती हैं और उनका इस्तेमाल कैसे कर सकती हैं। यह विदेशी फंडिंग वाली कुछ खास गतिविधियों पर रोक लगाता है जो भारत की संप्रभुता, सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था पर असर डाल सकती हैं। सरकार ने एक बयान में कहा कि संशोधन में रजिस्ट्रेशन खत्म होने या रद्द होने पर विदेशी फंडिंग से बनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक तय अथॉरिटी बनाने का प्रस्ताव है। नोटिफाई किए गए एफसीआरए संशोधन नियमों में रजिस्ट्रेशन को खास उद्देश्यों और मंजूरी प्राप्त राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से जोड़ा गया है, और धर्म परिवर्तन को मंजूरी प्राप्त धार्मिक गतिविधियों से बाहर रखा गया है। हालांकि, विपक्ष के नेताओं का तर्क है कि प्रस्तावित संशोधन से एनजीओ की कीमत पर सरकार की शक्तियां बढ़ सकती हैं, जिससे उसे उनकी संपत्ति जब्त करने या उसका निपटान करने का अधिकार मिल सकता है। उनका कहना है कि इस संशोधन से एनजीओ और ऐसी अन्य संस्थाएं सरकार के सामने कमजोर पड़ सकती हैं और इसका असर उन शैक्षणिक, धर्मार्थ और धार्मिक संस्थानों पर भी बहुत ज्यादा पड़ सकता है जो विदेशी चंदे पर निर्भर हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि यह सोच मंजूर नहीं है कि आरएसएस कुछ भी कर सकता है जबकि दूसरे एनजीओ ऐसा नहीं कर सकते। हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। हम उन्हें इतना कठोर बिल पास नहीं करने देंगे।

राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता: कांग्रेस नेता के आरोपों पर पीयूष गोयल का पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जो उन्होंने जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए थे। 6 अगस्त को जयपुर में पत्रकारों से बात करते हुए गोयल ने कहा कि स्थिति को सही ढंग से संभाला गया था और जोर देकर कहा कि कोई गलत काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता। पूरी स्थिति को सही तरीके से संभाला गया। कोई गलत काम नहीं हुआ। गोयल का यह बयान राहुल गांधी के उस आरोप के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं

में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों से मुलाकात के बाद लोकतांत्रिक असहमति को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। प्रदर्शनकारियों से बातचीत के दौरान गांधी ने कहा कि उन्हें पुलिस की बर्बरता और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। उन्होंने उन रिपोर्टों का ज़िक्र किया जिनमें एक नाबालिग लड़की पर माफी मांगने के लिए दबाव डाला गया था। उन्होंने कहा कि पहले उन पर दबाव डालना, उनके घर गुंडे भेजना, जबरदस्ती 15 साल की लड़की से माफी मंगवाना और फिर उस माफी को स्वीकार करना - यह सब पूरी तरह बकवास है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम एक ऐसा शिक्षा तंत्र चाहते हैं जो ठीक से काम करे, हम चाहते हैं कि परीक्षा के पेपर लीक होना बंद हों और हम चाहते हैं कि इस देश के भविष्य का सम्मान और सुरक्षा हो। गांधी ने विरोध-प्रदर्शन को संभालने के सरकार के तरीके की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था - जो कि एक खराब, ढहती हुई और बेकार व्यवस्था है - के बारे में शिकायत करना कोई अपराध नहीं है। असल में, इस व्यवस्था को बदलने और ठीक करने की जरूरत है। वे बस यही मांग कर रहे थे। वे न तो हिंसा कर रहे थे, न ही आक्रामक या बदतमीजी से पेश आ रहे थे। फिर भी उन्हें पीटा गया, उन पर हमला किया गया और उन्हें धमकाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए गांधी ने पुलिस की कार्रवाई के लिए उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया।

खड़गे का अमित शाह से सीधा सवाल: पुलिस कार्रवाई पर राज्य सभा में आकर दें बयान

राजस्थान एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई को छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के बारे में सदन में बयान देने को कहा है। खड़गे ने सरकार पर 6 अगस्त की कार्यवाही के दौरान इस मामले पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। राज्यसभा में बोलते हुए, खड़गे ने सभापति से आग्रह किया कि वे गृह मंत्री को सदन को संबोधित करने का निर्देश दें। खड़गे ने कहा कि हम देश और उसके 140 करोड़ लोगों से जुड़े वाजिब सवाल ही उठाते हैं। हम गृह मंत्री और प्रधानमंत्री से सदन में आने के लिए कह रहे हैं। हम सभापति से अनुरोध करते हैं कि वे गृह मंत्री को

सदन में आकर बयान देने का निर्देश दें। हम इस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। इसी सदन में अरुण जेटली जी ने खुद कहा था कि कामकाज में रुकावट संसदीय लोकतंत्र का हिस्सा है। आप कार्यवाही से जुड़े कोई भी सवाल उठा सकते हैं। लेकिन यहाँ, जब हम वाजिब सवाल पूछ रहे हैं, तो वे बचकर निकल रहे हैं। खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की पिछली टिप्पणियों की आलोचना की और संसद में कामकाज में बाधा डालने के मुद्दे पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की बातों का ज़िक्र किया। इसके जवाब में रिजिजू ने कहा कि खड़गे ने अपनी मांग के समर्थन में किसी नियम का हवाला नहीं दिया और जोर देकर कहा कि विपक्ष कार्यवाही को तय नहीं कर सकता या यह तय नहीं कर सकता कि सरकार की ओर से कौन सा मंत्री जवाब देगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता ने किसी नियम का हवाला नहीं दिया। वे पीठासीन अधिकारी को निर्देश नहीं दे सकते। यह सरकार की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। कांग्रेस को नए सदस्यों को भी मौका देना चाहिए। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने रिजिजू को निर्देश दिया कि वे विपक्ष की बात गृह मंत्री तक पहुंचाएं। सीपीआई सांसद पी. संतोष कुमार ने चेयरमैन के इस निर्देश को विपक्ष की जीत बताया और कहा कि यह पूरे विपक्ष के लिए एक बड़ी जीत है। हम लगातार मांग कर रहे थे कि अमित शाह आएं और 20 जुलाई को हुए लाठीचार्ज पर बयान दें।

प्रतापगढ़ बारिश त्रासदी में एक्शन में सीएम योगी: पीड़ित परिवारों को 4 लाख का मुआवजा और उचित इलाज के निर्देश

प्रयागराज एजेंसी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रतापगढ़ में हाल ही में बारिश से जुड़ी घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को आर्थिक मदद जारी की है। मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए, प्रतापगढ़ के ज़िला मजिस्ट्रेट ने मृतकों के परिजनों को ₹4-4 लाख सौंपे। राज्य की तत्काल राहत उपायों के तहत प्रभावित परिवारों को कुल ₹26.20 लाख की अनुग्रह राशि दी गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है कि घटना में घायल सभी लोगों को सही समय पर उचित इलाज मिले। ज़िला प्रशासन को पीड़ितों को हर संभव मदद देने और उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखने का निर्देश दिया गया है। प्रतापगढ़ में बारिश से जुड़ी एक भयानक घटना के बाद यह आर्थिक मदद दी गई। वहां मॉनसून की बारिश के कारण एक सदी पुराना घर ढह गया, जिससे एक ही परिवार के छह सदस्यों की

मौत हो गई, जिनमें दो छोटे बच्चे भी शामिल थे। परिवार का इकलौता जीवित सदस्य, एक 28 वर्षीय व्यक्ति, गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज चल रहा है। यह घटना उत्तर प्रदेश में बारिश से जुड़ी उन कई घटनाओं में से एक थी, जिनमें भारी बारिश के कारण दीवारें गिरने और अन्य हादसे हुए, जिससे राज्य में मरने वालों की कुल संख्या नौ हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित परिवारों को तुरंत आर्थिक मदद देने के लिए मुआवजे की राशि प्राथमिकता के आधार पर जारी की गई। ज़िला मजिस्ट्रेट ने मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार पीड़ित परिवारों के सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से चेक सौंपे। राज्य सरकार ने स्थानीय प्रशासन को यह भी निर्देश दिया है कि वे पीड़ित परिवारों के लगातार संपर्क में रहें और यह सुनिश्चित करें कि राहत या चिकित्सा सुविधा देने में कोई कमी न हो। स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों का सर्वोत्तम संभव इलाज करने का निर्देश दिया गया है।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर दारुल उलूम देवबंद की सलाहकार, छात्रों को संजीदगी और सुरक्षा की सख्त हिदायत

नई दिल्ली एजेंसी: दारुल उलूम देवबंद ने एक एडवाइजरी जारी की। इसमें छात्रों से कहा गया है कि वे सालाना कांवड़ यात्रा के दौरान बेवजह यात्रा न करें और बाजारों, हाईवे और उन इलाकों से दूर रहें जहाँ से कांवड़ यात्री गुजरते हैं। संस्थान के हॉस्टल प्रशासन की ओर से जारी ये निर्देश यात्रा के दौरान छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैं। इस यात्रा में हजारों श्रद्धालु गंगा का पवित्र जल लेकर उत्तर प्रदेश से गुजरते हैं और शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। हॉस्टल इंचार्ज अशरफ अब्बास के लिखित आदेश के अनुसार, छात्रों को निर्देश दिया गया है कि वे बाजारों, जीटी रोड या कांवड़ियों के रास्ते पर तब तक न जाएँ जब तक बहुत जरूरी न हो। एडवाइजरी में छात्रों से यात्रा के समय गैर-जरूरी सफर से बचने के लिए भी कहा गया है। अगर यात्रा करना जरूरी हो, तो छात्रों को ट्रेनों में सिर्फ.रिजर्व्ड डिब्बों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया है। संस्थान ने छात्रों के लिए हर समय अपना दारुल उलूम पहचान पत्र साथ रखना भी जरूरी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि सूरज डूबने के बाद, किसी भी छात्र को वैध पहचान पत्र दिखाए बिना कैंपस में घुसने की इजाजत नहीं होगी। यात्रा से जुड़े निर्देशों के अलावा, एडवाइजरी में छात्रों के व्यवहार को लेकर संस्थान के मौजूदा नियमों का भी ज़िक्र है। इसमें चेतावनी दी गई है कि मल्टीमीडिया मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते पाए जाने पर छात्रों को संस्थान से निकाला जा सकता है। प्रशासन ने छात्रों को याद दिलाया कि वे देवबंद शिक्षा हासिल करने आए हैं और उन्हें अपनी पढ़ाई और धार्मिक ज़िम्मेदारियों पर ध्यान देना चाहिए। दारुल उलूम देवबंद को देश के सबसे प्रमुख इस्लामिक संस्थानों में से एक माना जाता है।दारुल उलूम की यह एडवाइजरी यात्रा के दौरान

डॉक्टरों की हड़ताल पर फडणवीस सख्त: मरीजों के इलाज में रुकावट डालना गैर-जिम्मेदाराना

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने होम्योपैथी डॉक्टरों को महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) में रजिस्टर करने की सरकारी योजना के खिलाफ चल रही डॉक्टरों की हड़ताल पर बात करते हुए कहा कि मरीजों के इलाज में बाधा डालने वाला कोई भी विरोध अनुचित है। 6 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, फडणवीस ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार सभी डॉक्टरों को एक समान मानती है, चाहे वे किसी भी चिकित्सा पद्धति से जुड़े हों, और उनके बीच कोई भेदभाव नहीं करती है। फडणवीस ने कहा कि मेरा मानना है कि विरोध प्रदर्शन इस तरह से नहीं किए जाने चाहिए जिससे मरीजों की देखभाल में बाधा आए। कोई भी ऐसा विरोध प्रदर्शन जो मरीजों के इलाज और उन्हें राहत पहुँचाने में रुकावट डाले, वह अनुचित है। राज्य सरकार के लिए सभी डॉक्टर, चाहे वे किसी भी

चिकित्सा पद्धति का पालन करते हों, समान हैं और हम उनके बीच कोई फर्क नहीं करते हैं। हमारे मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सेवा देने वाले डॉक्टर हमारे लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। मैं उन्हें भरोसा दिलाना चाहता हूँ कि सरकार का उनके साथ अनुचित व्यवहार करने का कोई इरादा नहीं है। महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ने होम्योपैथी डॉक्टरों को एमएमसी रजिस्ट्रेशन की इजाजत देने के सरकार के प्रस्ताव के विरोध में पूरे राज्य में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पहले 24 घंटों तक इमरजेंसी और कैज्युअल्टी सेवाएँ चालू रहेंगी, लेकिन राज्य भर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में सभी आउटपेशेंट डिपार्टमेंट सेवाएँ, रोजमर्रा के काम और एकेडमिक गतिविधियाँ बंद रहेंगी। इस हड़ताल को कई संगठनों का समर्थन मिला, जिनमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , महाराष्ट्र स्टेट रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन , एसोसिएशन ऑफ स्टेट मेडिकल इंटर्न्स , महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ गैजेटेड मेडिकल ऑफिसर्स ग्रुप-A और महाराष्ट्र स्टेट मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन शामिल हैं।

प्रयागराज में कार्यक्रम रद्द होने पर राहुल गांधी का हुंकार: छात्रों की आवाज नहीं दबा सकती सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए जगह देने वाले ट्रस्ट ने अनुमति रद्द कर दी, जिसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि बीजेपी सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह उन्हें छात्रों की आवाज उठाने से नहीं रोक सकती। विपक्ष के नेता का यह बयान तब आया जब कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उनके 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की अनुमति रद्द कर दी। यह कार्यक्रम 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में होना था। ट्रस्ट ने कार्यक्रम रद्द करने के लिए आयोजन स्थल पर जलभराव का भी हवाला दिया। राहुल ने एक्स पर लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन प्रशासन छात्रों को सुनने के बजाय उन पर ॠक्क्रकर रहा है। मोदी सरकार की नीति ही युवाओं की आवाज दबाना है। सवाल पूछो तो लाठी, विरोध करो तो मुकदमे, और आवाज उठाओ तो पेलेट गन। उन्होंने कहा कि जब मैंने

छात्रों की बात को सुनने के लिए प्रयागराज आने का फैसला किया, तब से प्रशासन मेरे कार्यक्रम को हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश कर रहा है। साफ है, उन्हें छात्रों की गूंज से भी डर लग रहा है। मैं छात्रों के साथ हूँ। सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, मुझे छात्रों की आवाज उठाने से रोक नहीं सकती।

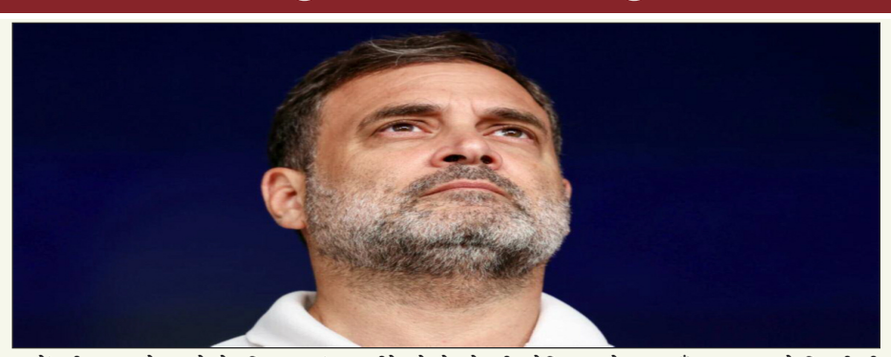

राहुल गांधी का प्रयागराज में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम रद्द होने पर उन्होंने भाजपा सरकार पर छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने का गंभीर आरोप लगाया।

प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आठ अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम छात्रों की गूंज के लिए अनुमति केपी ट्रस्ट द्वारा रद्द किए जाने के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आठ अगस्त को प्रयागराज आएंगे और छात्रों से संवाद करेंगे। प्रयागराज में देर शाम राय ने पत्रकारों से कहा कि यह शहीदों और प्रतियोगी छात्रों की धरती है और यहां शुरू से प्रतियोगी छात्र अपना भविष्य तलाशते रहे हैं। राहुल जी आठ अगस्त को यहां आएंगे और बच्चों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा सरकार और प्रशासन से आग्रह है कि हमें वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराए क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारे नेता राहुल गांधी बच्चों से संवाद करें। कार्यक्रम की रसीद से स्पष्ट है कि वहां (केपी ग्राउंड) खेल खिलाया जाता है। शनिवार शाम को कॉलेज बंद रहेगा और अगले दिन रविवार है। सरकार राहुल गांधी से घबरा गई है। राय ने कहा कि जैसे संसद में राहुल गांधी के डर से प्रधानमंत्री नहीं आ रहे हैं उससे साबित हो गया है कि यह सरकार डर गई है। जिस तरह से राजस्थान के कोटा का कार्यक्रम रद्द कराया गया, देहरादून का कार्यक्रम रद्द कराया गया, उसी तरह यहां का कार्यक्रम रद्द कराया गया।

संपादकीय

जिंदगियां बचाने के लिए

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दशार्ता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

दिलीप कुमार पाठक

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आजादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था। इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है।

अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है।

हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाजारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है। लेकिन इस चमक के पीछे बुनकरों का एक दर्द भी समाहित है। आज मशीनों से धड़ाधड़ बनने वाले सस्ते कपड़ों की वजह से हाथ के कारीगरों को सही दाम और पहचान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बाजार में मशीनी कपड़ों को असली हथकरघा बताकर बेच दिया जाता है, जिससे बुनकरों का हक मारा जाता है। इस धोखेबाजी को रोकने के लिए सरकार ने असली कपड़ों की पहचान के लिए हैंडलूम मार्क और जीआई टैग जैसी व्यवस्था की है। साथ ही इंडिया हैंडमेड जैसी वेबसाइट्स के जरिए बुनकरों को सीधे ग्राहकों से जोड़ा जा रहा है ताकि बीच के दलाल उनकी कमाई न खा सकें। हालांकि हथकरघा से जुड़े लोगों का फायदा केवल सोशल मीडिया पर वाह - वाह करने से नहीं होगा। असली बदलाव तब आएगा जब हम अपनी सोच बदलेंगे। हमें अपनी शादियों, त्योहारों और रोजमर्रा के पहनावे में इन कपड़ों को जगह देनी होगी। जब हमारी युवा पीढ़ी गर्व से हैंडलूम पहनेगी, तभी यह सदियों पुरानी कला बची रहेगी। हम सभी को संकल्प लेना चाहिए, कि अपनी अलमारी में कम से कम एक जोड़ी कपड़ा हाथ से बुना हुआ जरूर रखेंगे। इन धागों को बचाना सिर्फ सरकार का काम नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और उससे उपजी निराशा ने अनेक प्रतिभाशाली छात्रों को आत्महत्या तक के लिए विवश किया। क्या यह भी शिक्षा व्यवस्था की असुरक्षा का ही एक रूप नहीं है?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हमारी सरकारी व्यवस्था अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों जागती है? जब तक कोई बच्चा नदी में बह नहीं जाता, भवन गिर नहीं जाता, आग नहीं लग जाती या कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक प्रशासनिक मशीनरी की संवेदनाएँ जैसे सोई रहती हैं। घटना के बाद जांच समिति बनती है, निलंबन होता है, मुआवजा घोषित होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। यह प्रतिक्रियात्मक शासन व्यवस्था किसी भी सभ्य लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इस विफलता के पीछे भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है। भवन निर्माण से लेकर सड़क, पुल, विद्यालय सुरक्षा प्रमाणपत्र, वाहन फिटनेस और निरीक्षण व्यवस्था तक अनेक स्तरों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है। कई बार बिना सुरक्षा मानकों की पूर्ति किए ही विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और परिवहन वाहनों को अनुमति मिल जाती है। निरीक्षण कागजों में पूरा हो जाता है और वास्तविकता किसी दुर्घटना के बाद सामने आती है। यदि जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति विकसित नहीं होगी तो ऐसी घटनाएँ कभी समाप्त नहीं होंगी।

सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकें बाँटने, छात्रवृत्ति देने और परीक्षाएँ आयोजित करने का नाम नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है-बच्चे के लिए सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक विद्यालय, प्रशिक्षित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निर्भय आवागमन की व्यवस्था। जिस बच्चे का प्रतिदिन का संघर्ष विद्यालय तक जीवित पहुँचने का हो, वह ज्ञान की ऊँचाइयों तक कैसे पहुँचेगा? आज आवश्यकता यह है कि शिक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में नदी या नाले बाधा बनते हैं, वहाँ स्थायी पुलों का निर्माण प्राथमिकता से हो। जब तक पुल नहीं बनते, तब तक सुरक्षित नाव या जल परिवहन की सरकारी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य हो। जर्जर भवनों को तत्काल बंद किया जाए और नए भवनों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। स्कूल वाहनों के लिए कठोर सुरक्षा मानक लागू हों तथा उनका नियमित निरीक्षण हो। प्रत्येक विद्यालय में अग्निशमन, आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार की प्रभावी व्यवस्था हो। साथ ही प्रत्येक दुर्घटना के लिए केवल निचले कर्मचारियों पर कार्रवाई न होकर उच्च अधिकारियों तक जवाबदेही तय की जाए।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक

पहुँचेगा। जिस राष्ट्र में बच्चे शिक्षा पाने के लिए जान जोखिम में डालने को विवश हों, वहाँ विकास के दावे अधूरे प्रतीत होते हैं। विश्वगुरु बनने का मार्ग केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सुरक्षित शिक्षा और समान अवसरों से होकर गुजरता है। आज आवश्यकता नए कानून बनाने से अधिक उन कानूनों को ईमानदारी से जमीन पर उतारने की है। जब तक शासन की प्राथमिकताओं में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च स्थान नहीं पाएगी, तब तक विकास के बड़े-बड़े दावे खोखले लगते रहेंगे। सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज-सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश का कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालेगा कि वह पढ़ना चाहता है। यदि भारत को वास्तव में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो सबसे पहले उसे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बचपन और सुरक्षित शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। क्योंकि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों, मंत्रालयों या महानगरों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे विद्यालयों में लिखा जाता है जहाँ मासूम बच्चे अपने सपनों के साथ बैठते हैं। यदि उन सपनों की रक्षा नहीं हो सकी, तो विकसित भारत का स्वप्न भी अधूरा ही रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ऊर्जा आत्मनिर्भरता का स्वर्णिम अध्याय का आगाज

50 लाख घरों तक पहुँची सूर्य की रोशनी, हरित भारत की ओर तेजी से बढ़ता राष्ट्र...

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि की आधारशिला होती है।इक्कीसवीं सदी में ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल बिजली उत्पादन या पेट्रोलियम संसाधनों तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता, घरेलू विनिर्माण,ऊर्जा भंडारण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ गया है।भारत ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है,उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश केवल ऊर्जा उपभोक्ता नहीं,बल्कि वैश्विक हरित ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नई दिल्ली में आयोजित ऊर्जा सम्मेलन में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा साझा किए गए आँकड़े इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 50 लाख परिवारों को लाभ मिल चुका है। यह उपलब्धि केवल एक सरकारी योजना की सफलता नहीं,बल्कि भारत के ऊर्जा इतिहास में जनभागीदारी पर आधारित एक नई क्रांति का संकेत है।सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अक्टूबर 2025 तक जहाँ देश में प्रतिदिन लगभग 5,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे थे, वहीं जुलाई 2026 तक यह संख्या बढ़कर 16,000 से अधिक प्रतिदिन पहुँच गई। अर्थात मात्र कुछ महीनों में स्थापना की गति तीन गुना से अधिक हो गई।यह आँकड़ा बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही,बल्कि करोड़ों भारतीय परिवारों का जनआंदोलन बन चुकी है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना नहीं है। यह योजना प्रत्येक परिवार को ऊर्जा उत्पादक बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। घरों की छतों पर स्थापित सौर संयंत्र दिन के समय बिजली उत्पन्न करते हैं। आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है,जिससे उपभोक्ता आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं।इससे बिजली वितरण कंपनियों पर दबाव कम होता है तथा देश में विकेंद्रीकृत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।भारत आज लगभग 300 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के ऐतिहासिक पड़ाव के निकट पहुँच चुका है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल जलवायु परिवर्तन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति भर नहीं है, बल्कि ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का भी आधार है।स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की सफलता के पीछे अनेक दूरदर्शी नीतिगत निर्णय हैं। सरकार ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना लागू की है, जिससे घरेलू विनिर्माण को नई गति मिली है। इसके अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की क्षमता बढ़ाई जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और घटकों पर कर राहत,बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (इएसएस) के लिए लिथियम-आयन सेल निर्माण हेतु पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट तथा Renewable Energy Equipment Import Monitoring System जैसी पहलों ने उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान की है।

आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो सौर ऊर्जा विनिर्माण को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य केवल सौर पैनल आयात करना नहीं, बल्कि उन्हें देश में ही निर्मित कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में सही कहा कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से तय नहीं होगी, बल्कि इस बात से तय होगी कि कोई राष्ट्र स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों, बैटरियों और उन्नत प्रौद्योगिकियों का कितना उत्पादन कर सकता है। यही कारण है कि सरकार ऊर्जा विनिर्माण को औद्योगिक विकास के साथ जोड़ रही है।इसी दिशा में 18,100 करोड़ रुपये की एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी पीएलआई योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य देश में अत्याधुनिक बैटरी निर्माण क्षमता विकसित करना तथा आयात पर निर्भरता कम करना है।ऊर्जा भंडारण की मजबूत व्यवस्था के बिना सौर और पवन ऊर्जा का व्यापक उपयोग संभव नहीं है। इसलिए बैटरी निर्माण भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनने जा रहा है।स्वच्छ ऊर्जा का लाभ केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा दक्ष उद्योगों तथा आधुनिक परिवहन व्यवस्था को भी नई दिशा प्रदान करती है। पीएम ई-ड्राइव योजना इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है, जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देकर पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रही है।इससे प्रदूषण में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत तथा घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग को नई तकनीकी दिशा मिलेगी।

इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि दिल्ली मेट्रो को मध्य प्रदेश से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण है,बल्कि राज्यों के बीच ऊर्जा सहयोग की भी मिसाल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ऊर्जा संक्रमण केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राज्यों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है।ऊर्जा सम्मेलन में भूटान और श्रीलंका की भागीदारी ने दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग की नई संभावनाओं को भी रेखांकित किया।भूटान ने वर्ष 2040 तक 25 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है,जिसमें 15 गीगावाट जलविद्युत और 5 गीगावाट सौर ऊर्जा शामिल होगी। भारत और भूटान के बीच पाँच दशकों से अधिक पुराना ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की मजबूत आधारशिला रहा है।श्रीलंका ने भी ऊर्जा सुरक्षा,ग्रिड आधुनिकीकरण,स्वच्छ ऊर्जा निवेश तथा क्षेत्रीय सहयोग को भविष्य की आवश्यकता बताया। दक्षिण एशिया के देशों के बीच बिजली व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा निवेश और तकनीकी साझेदारी आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र की नई दिशा तय करेंगे।सम्मेलन की एक अन्य विशेषता दो दिवसीय प्रदर्शनी रही, जिसमें लगभग 25 अग्रणी ऊर्जा कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में नवीनतम सौर तकनीक,ऊर्जा भंडारण प्रणाली, स्मार्ट मीटरिंग, डिजिटल ऊर्जा प्रबंधन,स्वच्छ औद्योगिक समाधान तथा अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।ऐसे आयोजन उद्योग, निवेशकों और नीति-निमार्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, भारत की ऊर्जा यात्रा केवल विकास की कहानी नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की भी कहानी है।स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार कार्बन उत्सर्जन कम करेगा,वायु प्रदूषण घटाएगा, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करेगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेगा।यही कारण है कि आज ऊर्जा नीति को आर्थिक नीति, औद्योगिक नीति और पर्यावरण नीति के साथ समान महत्व दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब नीति,तकनीक और जनभागीदारी एक साथ आगे बढ़ते हैं तो परिवर्तन केवल सरकारी आँकड़ों तक सीमित नहीं रहता,बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है। बिजली का घटता खर्च, घरेलू आय में वृद्धि,स्थानीय रोजगार,स्वदेशी विनिर्माण और पर्यावरण संरक्षण–इन सभी का समन्वय इस योजना को भारत की सबसे प्रभावशाली ऊर्जा पहलों में शामिल करता है।आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है,वह विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।यदि यही गति बनी रही तो वर्ष 2030 तक भारत न केवल अपने 500 गीगावाट गैर- जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगा, बल्कि विश्व के लिए स्वच्छ ऊर्जा,हरित प्रौद्योगिकी और टिकाऊ विकास का प्रेरणास्रोत भी बनेगा। वास्तव में, भारत की छतों पर चमकते सौर पैनल केवल बिजली नहीं बना रहे, वे आत्मनिर्भर,समृद्ध और पर्यावरण-अनुकूल भारत के उज्ज्वल भविष्य की रोशनी भी गढ़ रहे हैं।

चिंतन-मनन

थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे।

माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे।

इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

स्वतंत्रता दिवस को लेकर कॉलेज में जोरदार तैयारियां, प्रधानाचार्य ने दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद के पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। कॉलेज स्टाफ और शिक्षकगण पूरी तरह से समर्पित होकर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व को भव्य एवं गरिमापूर्ण बनाने में जुट गए हैं। प्रधानाचार्य डॉ. निशांत कुमार यादव ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर स्कूल परिसर में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर देश के लिए शहीद हुए वीर सपूतों और देशभक्तों के जीवन चरित्र पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। छात्र-छात्राओं को महापुरुषों के बलिदान, साहस और देशप्रेम की कहानियां सुनाई जाएंगी, ताकि नई पीढ़ी उनके त्याग को समझ सके।

डॉ. यादव ने कहा कि महापुरुषों की कुबार्नी को याद रखना और उनके आदर्शों व सिद्धांतों पर चलना ही छात्र-छात्राओं की सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। स्कूल में ध्वजारोहण समारोह, देशभक्ति गीत, भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिक्षकगण बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। तैयारियों के अंतर्गत परिसर की सफाई, रंग-बिरंगी झंडियों से सजावट और मंच की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रधानाचार्य ने सभी अभिभावकों और छात्रों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर पूरे उत्साह के साथ शामिल हों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सदा स्मरण रखें। विद्यालय परिवार 15 अगस्त को गरिमामय तरीके से मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कांवड़ यात्रा-2026 के लिए अमरोहा पुलिस पूरी तरह सतर्क

कांवड़ मार्गों पर बैरियर, सघन निगरानी और यातायात डायवर्जन लागू

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपद अमरोहा पुलिस पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी कर रही है। आवश्यकतानुसार बैरियर स्थापित किए गए हैं। बैरियरों पर तैनात पुलिसकर्मी वाहनों की जांच, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर नजर रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए हुए हैं। कांवड़ मार्गों पर निरंतर पेट्रोलिंग कराई जा रही है। संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी, यातायात डायवर्जन का अनुपालन तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य आधुनिक संसाधनों के माध्यम से भी कांवड़ यात्रा की सतत निगरानी की जा रही है। अमरोहा पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का अनुपालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिसकर्मी अथवा डायल-112 पर दें।

पुलिस प्रशासन ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। जनपद पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुरक्षा में तत्पर है।

अमरोहा में बारिश के बीच जल निकासी में जुटे रहे ईओ दिनेश कुमार, जनता ने सराही मेहनत

अमरोहा (सब का सपना):- नगर में हो रही मूसलाधार बारिश के दौरान अमरोहा नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी (ईओ) दिनेश कुमार ने अपनी परवाह किए बिना मैदान संभाला। भारी बारिश और जलभराव के बीच ईओ दिनेश कुमार स्वयं सफाई स्टाफ के साथ शहर की सड़कों पर उतरे और नालों की सफाई कराते हुए जल निकासी के पुख्ता इंतजाम किए। उनकी इस कर्तव्यनिष्ठा और मेहनत की स्थानीय नागरिकों ने जमकर सराहना की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर से शुरू हुई तेज वर्षा के कारण शहर के कई निचले इलाकों और प्रमुख मार्गों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। सूचना मिलते ही ईओ दिनेश कुमार अपनी टीम के साथ हरकत में आए और शहर के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए शाम तक जल निकासी के प्रयास में जुटे रहे। पालिका के त्वरित और सक्रिय प्रयासों के चलते अधिकांश स्थानों पर जमा पानी को जल्द ही निकलवा लिया गया, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिली।

अधीनस्थों को दिए सख्त निर्देश और जनता से की अपील

निरीक्षण के दौरान ईओ दिनेश कुमार ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे लगातार क्षेत्र में मुस्तैद रहें। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान और उसके उपरांत भी शहर में कहीं पर भी जल-जमाव की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। इस दौरान ईओ ने नगरवासियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि नागरिक अपने घरों और दुकानों का कूड़ा सीधे नालों में न डालें। बारिश के वक्त निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर नाले बंद पाए गए, जिनकी तत्काल सफाई कराने पर चौंकाने वाला सच सामने आया। लोगों द्वारा बड़े-बड़े बोरों और कट्टों में सामान भरकर नालों में फेंक दिया गया था, जो जल निकासी के मार्ग में बड़ी बाधा बनकर जलभराव का मुख्य कारण बना।

नागरिकों ने की पालिका प्रशासन की तारीफ

बारिश में भीगते हुए खुद खड़े होकर नाले खुलवाने और जलभराव की समस्या का तुरंत निस्तारण करने वाले ईओ दिनेश कुमार के इस जज्बे की शहरभर में चर्चा हो रही है। स्थानीय नागरिकों का भी यह मानना है कि प्रशासनिक प्रयासों के साथ-साथ शहरवासियों को भी जागरूक होना होगा। जब तक जनता नालियों और नालों में कूड़ा डालना बंद नहीं करेगी, तब तक पूर्ण स्वच्छता की कल्पना करना कठिन है। शहर को सुंदर, स्वच्छ और जलभराव मुक्त बनाने के लिए हर नागरिक को पालिका प्रशासन का सहयोग करना चाहिए।

लैंगिक हिंसा एवं विधिक जागरूकता को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में तथा डीएलएसए सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में ब्लू वर्ड इंटरनेशनल स्कूल, मलेशिया, धनौरा में लैंगिक हिंसा एवं विधिक जागरूकता विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि तहसीलदार धनौरा मूसाराम रहे। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्यों एवं कार्यों के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों को उनके अधिकारों और निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना है। कार्यशाला में अधिकार मित्र महेश सिंह ने छात्राओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास बढ़ाने, शिक्षा के महत्व तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया। वहीं अधिकार मित्र लोकमान सिंह ने लैंगिक हिंसा, गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध, बाल विवाह, मानव तस्करी तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। छात्राओं को स्थायी लोक अदालत एवं निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था के बारे में भी विस्तार से बताया गया। वक्ताओं ने छात्राओं से आह्वान किया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या शोषण की स्थिति में चुप न रहें और तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों, पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से संपर्क करें।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंधक राहुल अग्रवाल, प्रदीप पाल, लोकमान सिंह, शशी देवी, राजवाला, जितेंद्र सिंह, महिलाल सिंह, परवीन, महेश सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य किशोरियों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध विधिक सहायता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और अपने भविष्य के प्रति सजग बनाना रहा।

नौगांवा सादात तहसील परिसर में भाकियू (लोकशक्ति) की मासिक बैठक का आयोजन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नौगांवा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की नौगांवा तहसील परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। जिसको नरेश भगत जी की अध्यक्षता में कराया गया। बैठक का संचालन सर्वोत्तम शर्मा द्वारा किया गया। बैठक के उपरांत संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में उपजिला अधिकारी (एसडीम) नौगांवा सादात के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम किसानों एवं आम जनता की समस्याओं से संबंधित एक पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा है कि आवारा गोवंश एवं छुट्टा पशुओं की समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए, किसानों की सिंचाई को ध्यान में रखते हुए अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा पर्याप्त एवं निर्वात विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा को दवाइयां एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए, क्षेत्र की जर्जर सडको ,टूटी पुलियों, पेयजल तथा जल निकासी की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, किसानों की सभी फसलों का उचित समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाए तथा समय पर उसका भुगतान भी कराया जाए। इसके अलावा संगठन ने कहा कि यदि इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो किसानों के हित में व्यापक आंदोलन करने के लिए संगठन को बाध्य होना पड़ेगा।

इस बैठक में सुरेंद्र सिंह ,जसवंत सिंह, चंद्रपाल सिंह चौहान ,नारायण शर्मा, कहलन सिंह ,शौकत ,नरेश सिंह, गंगूराम सिंह, यशपाल ,बाबूराम त्यागी, नरदेव कश्यप ,संजय प्रजापति ,मुकेश कुमार त्यागी ,दीपांकर शर्मा ,गंगाराम सिंह ,सर्वोत्तम शर्मा ,हेमेंद्र सिंह ,मुस्तफा सैफी ,कौशल सिंह, समीम आवासी, शेर सिंह आदि लोग एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अमरोहा आईटीआई प्रधानाचार्य को संभल का भी दिया अतिरिक्त प्रभार

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद अमरोहा के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब वह अमरोहा के साथ-साथ राजकीय आईटीआई संभल का भी प्रशासनिक प्रभार संभालेंगे। प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा ने संभल स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का चार्ज औपचारिक रूप से ग्रहण किया। चार्ज ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता ही उनकी प्राथमिकता है। सरकार की नीतियों और निदेर्शों के अनुरूप दोनों संस्थानों में कौशल विकास, औद्योगिक प्रशिक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि छात्रों को आधुनिक औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, पाठ्यक्रम की गुणवत्ता बनाए रखना और संस्थान के संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है। दोनों आईटीआई में शिक्षा और प्रशिक्षण के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। प्रधानाचार्य शर्मा ने कहा कि इस अतिरिक्त प्रभार से अमरोहा और संभल दोनों जनपदों के आईटीआई छात्रों को एक अनुभवी प्रशासनिक नेतृत्व का लाभ मिलेगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों और शिक्षकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही शासन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

गंगा धाम तिगरी में बढ़ा गंगा का जलस्तर पुरोहितों की झोपड़ियां जलमग्न

पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला की गंगा धाम तिगरी में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है ऐसा पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण हो रहा है जिस कारण गंगा नदी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है इस समय गंगा नदी लगातार उफान पर है। जिससे घाटों पर स्थित पुरोहितों की झोपड़ियां पूरी तरह जलमग्न हो गई है और घाटों पर पानी भर गया है। इतना ही नहीं बल्कि खादर इलाकों में किसानों के खेतों में भी गंगा का पानी पहुंच चुका है जिससे स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ती दिखाई दे रही है। बता दें कि गुरुवार को तिगरी गंगा का जलस्तर 200.45 सेंटीमीटर दर्ज किया गया, जो बुधवार के 200.35 सेंटीमीटर से अधिक है। हरिद्वार बैराज से गंगा नदी में 133357 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिसके कारण मैदानी इलाकों में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।जलस्तर बढ़ने से तिगरी गंगा धाम के घाट पूरी तरह से पानी में डूब गए हैं। घाट पर रखी पुरोहितों की कई झोपड़ियां जलमग्न हो गई हैं। स्थिति को देखते हुए घाट पर मौजूद दुकानदारों ने भी अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है।साधुओं की झोपड़ियों में चार फीट तक भरा बाढ़ का पानी।खादर इलाके में गंगा का पानी खेतों में घुस गया है। ओसिता जगदेपुर गांव में खेतों में चार-चार फीट तक पानी भर गया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ते जलस्तर से खादर क्षेत्र के निवासियों में चिंता बढ़ गई है।बाढ़ खंड तिगरी के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर पिछले कई दिनों से घट-बढ़ रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी गंगा खतरे के निशान से काफी दूर है। कुमार ने यह भी दावा किया कि बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

रजबपुर पुलिस ने शांतिभंग के तहत दो युवकों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना रजबपुर पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार करते हुए उनका शांति भंग में चालान करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव एवं अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डॉ प्रदीप कुमार सिंह सर्किल नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा थाना अध्यक्ष विकास सेहरावत थाना रजबपुर के पर्यवेक्षण में किया गया है।

थाना रजबपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त रवि पुत्र विजेंद्र उम्र 25 वर्ष व जितेंद्र पुत्र शशि राम उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम रामपुर घना थाना रजबपुर जिला अमरोहा को गिरफ्तार किया गया जिनका संबंधित अंतर्गत धारा 176/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

अमरोहा में दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0 का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने हेतु ह्लदिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0ह्व का आयोजन किया जा रहा है। मिशन मुख्यालय, आईटीआई परिसर, अलीगंज, लखनऊ के पत्रांक 2140/ उ.प्र.कौ. वि.मि./ 2026-27/कैम्प ऑफिस दिनांक 28 जुलाई 2026 के अनुसार यह अभियान 3 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक चलाया जाएगा। जनपद अमरोहा में दो प्रमुख रोजगार मेले आयोजित होंगे। 7 अगस्त 2026 को प्रातः 11:00 बजे विकास खण्ड परिसर, हसनपुर तथा 10 अगस्त 2026 को प्रातः 11:00 बजे विकास भवन परिसर, अमरोहा में मेले का आयोजन होगा। आठवीं, दसवीं, बारहवीं, स्नातक, आईटीआई, कौशल विकास मिशन या अन्य योग्यता रखने वाले सभी अर्ह एवं इच्छुक दिव्यांगजन इन मेलों में भाग लेकर रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। स्वरोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को उपायुक्त, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा संचालित ऋण संबंधी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी। विशेष परिस्थितियों में स्थल पर ही कंपनियों से ऑनलाइन साक्षात्कार की व्यवस्था भी की जा सकती है।

जिला प्रशासन सभी पात्र दिव्यांगजनों से अपील करता है कि वे निर्धारित तिथि व स्थान पर पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

नशा छोड़ें जीवन जोड़ें राजकीय महाविद्यालय में स्लोगन प्रतियोगिता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सम्भल (सब का सपना):- जनपद के राजकीय महाविद्यालय संभल में गुरुवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राष्ट्र वर्धन की अध्यक्षता में स्लोगन प्रतियोगिता एवं नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने नशा मुक्ति विषय पर प्रभावशाली स्लोगन लिखकर समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में अरीबा खानम (बी.ए. पंचम सेमेस्टर) ने प्रथम, रिफा रानी (बी.ए. पंचम सेमेस्टर) एवं संजना रानी (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर) ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा शबीना (बी.ए. पंचम सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. राष्ट्र वर्धन ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे देश को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्परिणाम सामाजिक, आर्थिक और मानसिक सभी स्तरों पर बेहद गंभीर होते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं नशे से दूर रहना चाहिए और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने नशामुक्ति की शपथ लेकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. जीत सिंह, डॉ. तनुज कुमार, डॉ. अब्दुल रहमान, प्रमोद कुमार, सबा खान, सुभाष बाबू, मौ. ऐजाज, रामनिवास एवं काजल सहित महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं, युवा प्रशिक्षण का उठाएं भरपूर लाभः- अरुण कुमार त्रिपाठी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई में कृषि उद्यमी प्रशिक्षण बैच का शुभारंभ उप कृषि निदेशक संभल अरुण कुमार त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों, स्वरोजगार और उद्यमिता के महत्व की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज कृषि केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि कृषि आधारित उद्यमों के माध्यम से युवा बेहतर आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों और युवाओं के लिए अनेक लाभकारी योजनाएं संचालित कर रही

है, जिनका लाभ लेकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान सिखाई जाने वाली तकनीकों को गंभीरता से सीखकर व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उप कृषि निदेशक ने संस्थान में संचालित बैच-70 ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास आत्मनिर्भरता की सबसे मजबूत आधारशिला है और प्रशिक्षुओं को अपने हुनर के बल पर स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने का प्रयास करना चाहिए। उनके प्रेरक विचारों से प्रशिक्षणार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा आरसेटी द्वारा संचालित विभिन्न निःशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीण बेरोजगारों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों ने पूरी लगन एवं मेहनत के साथ प्रशिक्षण पूर्ण कर प्राप्त ज्ञान का उपयोग स्वरोजगार स्थापित करने में करने का संकल्प लिया। संस्थान परिवार ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया।
इस अवसर पर संकाय संतोष कुमार, मानसी शर्मा, कार्यालय सहायक सुजीत सिंह, विशेष, रणवीर सिंह, विकास बाबू, मदन मोहन मिश्रा (डीएसटी कृषि उद्यमी) सहित संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए फसल बीमा जरूरी,किसानों से समय पर आवेदन की अपील

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- उप कृषि निदेशक सम्भल अरुण कुमार त्रिपाठी ने जनपद के सभी किसान भाइयों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ-2026 की फसलों का समय रहते बीमा कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार वर्ष 2026-27 में भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना पूर्व वर्षों की भांति लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि गैर ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 14 अगस्त जबकि ऋणी किसानों के लिए 31 अगस्त निर्धारित की गई है। खरीफ मौसम में

जनपद सम्भल के लिए धान, मक्का, बाजरा एवं उड़द फसलों को अधिसूचित किया गया है। उप कृषि निदेशक ने कहा कि बदलते मौसम और प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए किसानों के लिए फसल बीमा बेहद महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसानों की आय को सुरक्षित रखना तथा आर्थिक नुकसान की भरपाई में सहायता प्रदान करना है। इसलिए अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठाकर अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं। उन्होंने बताया कि जनपद सम्भल में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को योजना की कार्यान्वयन एजेंसी नामित किया गया है।
किसी भी प्राकृतिक आपदा से फसल क्षति होने पर बीमित किसान 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447, निकटतम बैंक शाखा, बीमा कंपनी के कार्यालय अथवा जिला कृषि अधिकारी, सम्भल कार्यालय में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उप कृषि निदेशक ने सभी ऋणी एवं गैर ऋणी किसानों से निर्धारित समय सीमा के भीतर फसल बीमा कराकर योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

शाहपुर सिरपुड़ा में मजलिस व शब्बेदारी का आयोजन, इमाम हुसैन की कुबार्नी को किया याद

सम्भल (सब का सपना):- जनपद के ग्राम शाहपुर सिरपुड़ा स्थित इमामबारगाह सय्यद आलम अली में बुधवार रात्रि अंजुमन-ए-सज्जादिया (रजि.) के तत्वावधान में मजलिस एवं शब्बेदारी का आयोजन श्रद्धा एवं अकीदत के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय एवं बाहरी क्षेत्रों से आए मोमिनीन ने शिरकत कर हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) और शहीदाने कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश की। कार्यक्रम की शुरूआत ममियाख्वानी से हुई, जिसे इकलीम रजा एवं उनके हमनवा ने प्रस्तुत किया। इसके बाद मौलाना अखलाक मेहदी साहब ने मजलिस को संबोधित करते हुए कर्बला के वाकये और हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की महान कुबार्नी

पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) ने इंसानियत, न्याय और सत्य की रक्षा के लिए हर तरह की तकलीफें सहन कीं, लेकिन अन्याय और अत्याचार के सामने कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि कर्बला का संदेश आज भी पूरी मानवता को सत्य, इंसाफ और मानवता के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देता है। रातभर चली शब्बेदारी में स्थानीय अंजुमनों के अलावा अंजुमन-ए-कारवां-ए-अजा (जानसठ, मुजफ्फरनगर), अंजुमन हुसैनी (सिरसी, सम्भल), अंजुमन जाफरिया (वाराणसी) तथा अंजुमन सिपाह-ए-हुसैनी (सुल्तानपुर) सहित विभिन्न अंजुमनों ने सलाम, नौहाख्वानी और सीनाजनी कर शहीदाने कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश की। कार्यक्रम का समापन गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे हुआ।
अंत में अंजुमन-ए-सज्जादिया के अध्यक्ष गुलशन अब्बास एवं सचिव चमन रजा ने सभी अतिथियों, अंजुमनों और उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राशिद हुसैन, डॉ. साईम रजा, नदीम हुसैन, अली आदिल, अनीस रजा, सफी अकबर, शोएब नबी, अमीर रजा, खुर्शीद अनवर, अली कम्बर, मोहम्मद मेहदी, बहाल अख्तर, शारिक तंजीम, हसन हैदर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दहेज उत्पीड़न और पुलिस पर हमले के मामलों में तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सम्भल (सब का सपना):- जनपद पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए दहेज उत्पीड़न के एक आरोपी समेत मारपीट और पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना ऐंचौड़ा कम्बोह क्षेत्र निवासी सरिता पुत्री सतपाल सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसके ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की तथा मांग पूरी न होने पर उसे घर से निकाल दिया। इस संबंध में थाना ऐंचौड़ा कम्बोह पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार को पुलिस टीम ने मामले में वांछित अभियुक्त हर्षवर्धन पुत्र दयाप्रकाश को पीएलएमएस स्कूल सिरौली चौराहे जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरे मामले में थाना गुन्नौर क्षेत्र में दो पक्षों के बीच गाली-गलौज, मारपीट और ईंट-पत्थर चलने की घटना हुई थी। पुलिस के हस्तक्षेप के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर भी ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल उत्पन्न हो गया। इस संबंध में थाना गुन्नौर पर संबंधित धाराओं एवं बीएनएस तथा 7 सीएल एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार को थाना गुन्नौर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में वांछित अभियुक्त रोहित पुत्र छत्रपाल एवं बलवीर पुत्र ओमप्रकाश को ग्राम घुघईया से कुहेरा जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

उच्च जोखिम गर्भावस्था की समय पर पहचान से घटेगी मातृ-शिशु मृत्यु दर

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) की समय पर पहचान, प्रभावी प्रबंधन एवं मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से होटल अन्नपूर्णा, चन्दौसी में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की शीघ्र पहचान, समय पर पंजीकरण, नियमित फॉलो-अप, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, समय पर रेफरल तथा गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही स्वास्थ्य कार्यकताओं की क्षमता वृद्धि एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि ARMMAN-IHRP द्वारा संचालित उच्च जोखिम गर्भावस्था ट्रैकिंग एवं प्रबंधन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक सुझावों एवं कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि प्रत्येक उच्च जोखिम गर्भवती महिला तक समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। प्रशिक्षण सत्र में ARMMAN-IHRP संस्था की ओर से डॉ. श्रावंती, डॉ. संतोष, काशी दोनेपुडी एवं डॉ. दीपिका अस्थाना ने प्रतिभागियों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने जनपद में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरवेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर, समस्त चिकित्सा अधीक्षक, मुकेश शर्मा, मनु तेवतिया, प्रगति शर्मा, गुंजन सक्सेना, राजकुमार, चिकित्सा अधिकारी एवं स्टाफ नर्स सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में अनाथ बच्चों की फरियाद पर डीएम ने दिखाई संवेदनशीलता

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त एक संवेदनशील शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को अनाथ बच्चों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने तथा उन्हें शासन की सभी पात्र जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में विकासखंड बनियाखेड़ा के ग्राम मल्लपुर भवानी निवासी यशपाल पुत्र चंदन ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके बड़े भाई धर्मपाल का लगभग आठ माह पूर्व निधन हो गया था। इससे पहले बच्चों की माता का भी निधन हो चुका था, जिसके कारण धर्मपाल के दोनों बच्चे तुलसी एवं रिंकू अनाथ हो गए हैं। प्रार्थना पत्र में बच्चों के पालन-पोषण, उनके हिस्से की कृषि भूमि तथा अन्य वैधानिक अधिकारों से जुड़ी समस्याओं का उल्लेख किया गया। मामले को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध और नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों के सभी अधिकार सुरक्षित रह सकें। डीएम ने निर्देशित किया कि यदि जांच में दोनों बच्चे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र पाए जाते हैं, तो उन्हें तत्काल योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।
साथ ही उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, भरण-पोषण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएं, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित और सशक्त बन सके। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कहा कि जनपद प्रशासन प्रत्येक जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित नागरिक के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
विशेष रूप से अनाथ एवं निराश्रित बच्चों से जुड़े मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जाएगी और पात्र बच्चों को शासन की सभी अनुमन्य योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी।

टीबी मरीजों को वितरित की गई पोषण पोटली, संतुलित आहार और नियमित उपचार पर दिया जोर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, सम्भल में टीबी रोगियों के पोषण एवं उपचार सहयोग के लिए पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने 10 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित करते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज विश्नोई एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संतोष कुमार भी मौजूद रहे।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने कहा कि टीबी के सफल उपचार के लिए नियमित दवा के साथ पौष्टिक एवं संतुलित आहार बेहद आवश्यक है। उन्होंने मरीजों से चिकित्सकीय सलाह का पालन करने तथा उपचार बीच में न छोड़ने की अपील की।
अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज विश्नोई ने कहा कि समय पर जांच, नियमित उपचार और जनसहभागिता से ही टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से टीबी के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच कराने का आग्रह किया।
जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि टीबी मरीजों के लिए पोषण उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। निक्षय पोषण योजना एवं सामुदायिक सहयोग के माध्यम से मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने सभी मरीजों से नियमित दवा लेने, समय-समय पर फॉलोअप कराने और उपचार पूरा करने की अपील की।
कार्यक्रम के अंत में टीबी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए टीबी मुक्त भारत के संकल्प को दोहराया गया।

बारिश में छाता लेकर कांवड़ियों की सुरक्षा में जुटे सीओ अंजनी कुमार, स्थानीय लोगों ने की सराहना

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सावन कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में धामपुर क्षेत्र के नगीना चौराहा पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजनी कुमार बारिश के बीच स्वयं छाता लेकर ड्यूटी करते नजर आए। लगातार हो रही बारिश के बावजूद सीओ अंजनी कुमार ने मौके पर मौजूद रहकर कांवड़ियों के आवागमन को सुरक्षित एवं व्यवस्थित कराया। उन्होंने यातायात व्यवस्था का स्वयं निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बारिश के दौरान भी सीओ अंजनी कुमार का इस तरह स्वयं सड़क पर उतरकर व्यवस्था संभालना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। लोगों ने उनकी कार्यशैली, जिम्मेदारी और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों की ऐसी सक्रियता से श्रद्धालुओं में सुरक्षा का विश्वास मजबूत होता है। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बनाए हुए है।

बिजनौर में जल जीवन मिशन को मिली रफ्तार, हर घर तक पहुंच रहा स्वच्छ पेयजल

बिजनौर (सब का सपना):- केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत जनपद बिजनौर में ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध एवं क्लोरीनयुक्त पेयजल पहुंचाने का कार्य तेज गति से जारी है। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को "हर घर नल से जल" उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर न रहना पड़े। इस दिशा में विद्या टेलीलिंक लिमिटेड द्वारा विभिन्न विकास खंडों में युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। जनपद के नजीबाबाद, चांदपुर, धामपुर, देवमल, कोतवाली, किरतपुर, नूरपुर, नहटौर, अलेहपुर तथा अफजलगढ़ सहित अनेक विकास खंडों के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति परियोजनाओं का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। अधिकांश गांवों में घर-घर तक पाइपलाइन के माध्यम से नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है। जिन ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, वहां अब ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस (O&M) का कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जलापूर्ति व्यवस्था का नियमित संचालन, पाइपलाइन की निगरानी, जल गुणवत्ता की जांच तथा आवश्यक रखरखाव सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि लोगों को निर्बाध जलापूर्ति मिलती रहे। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में बड़ी संख्या में ओवरहेड जलाशय (ओवरहेड टैंक) भी बनाए जा रहे हैं। अब तक लगभग 300 ओवरहेड टैंक बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि अन्य टैंकों का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इन जलाशयों के माध्यम से गांवों में पर्याप्त जल भंडारण और नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत आधुनिक जलशोधन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को क्लोरीनयुक्त एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में कमी आने की उम्मीद है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा। महिलाओं और बच्चों को भी पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिलेगी। विद्या टेलीलिंक लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक विजेंद्र कौशिक ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य केंद्र एवं राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि परियोजना की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के साथ-साथ ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल के सदुपयोग तथा पाइपलाइन एवं नल कनेक्शन के रखरखाव के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर तकनीकी टीमों को तैनात किया गया है ताकि किसी भी तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके और जलापूर्ति व्यवस्था निरंतर सुचारु बनी रहे।

जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद बिजनौर के हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा सामाजिक विकास को नई गति मिल रही है। आने वाले समय में शेष ग्राम पंचायतों में भी कार्य पूर्ण होने के बाद पूरे जनपद को इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ मिलेगा।

धामपुर की बेटी रिंकी प्रजापति ने राष्ट्रीय एनसीसी शिविर में बढ़ाया बिजनौर का मान

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर की होनहार बेटी एवं सौभाग्यवती बाई दानी महिला महाविद्यालय (एस.बी.डी. कॉलेज) की एनसीसी कैडेट रिंकी प्रजापति ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद बिजनौर का गौरव बढ़ाया है। रिंकी का चयन तेलंगाना के आदिलाबाद में आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' (एइरइ) राष्ट्रीय एनसीसी शिविर के लिए हुआ, जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय शिविर से लौटने पर महाविद्यालय परिसर में उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. पूनम चौहान एवं एनसीसी अध्यापिका प्रियंका जैन ने रिंकी प्रजापति को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य डॉ. पूनम चौहान ने कहा कि रिंकी की यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय, बल्कि धामपुर और पूरे जनपद बिजनौर के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि रिंकी की सफलता अन्य छात्राओं को भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। उल्लेखनीय है कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' राष्ट्रीय एनसीसी शिविर का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा आपसी सौहार्द की भावना को मजबूत करना है। रिंकी प्रजापति की इस उपलब्धि से परिवार, महाविद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

बच्चों के मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप, भतीजे ने ताऊ की चाकू मारकर हत्या, चचेरा भाई गंभीर

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नींदड़ू में गुरुवार सुबह बच्चों के मामूली विवाद ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। आरोप है कि भतीजे ने अपने भाइयों के साथ मिलकर सगे ताऊ और चचेरे भाई पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में ताऊ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब सात बजे बच्चों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बड़े आमने-सामने आ गए। आरोप है कि अरमान अपने भाइयों के साथ ताऊ इकबाल (61) के घर पहुंचा, जहां विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने इकबाल और उनके बेटे बिलाल पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में इकबाल के सीने के पास गंभीर चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव होने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बिलाल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही धामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि मकान निर्माण को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से रंजिश चली आ रही थी और उसी रंजिश के चलते आरोपियों ने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि ग्राम नींदड़ू में बच्चों के विवाद के बाद दो पक्षों में मारपीट हुई, जिसमें एक व्यक्ति की चाकू लगने से मृत्यु हो गई तथा एक अन्य घायल है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दबिश दी जा रही है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

राजा का ताजपुर क्षेत्र में मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, ग्रामीणों में दहशत

राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना राजा का ताजपुर क्षेत्र के बुढ़पुर गांव में मामूली विवाद को लेकर पथराव और मारपीट की घटना सामने आई है। घटना के बाद गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ लोग आए दिन विवाद और झगड़े कर माहौल खराब करते हैं तथा लोगों को जान से मारने की धमकियां भी देते हैं। उनका कहना है कि इन गतिविधियों के कारण गांव में लंबे समय से असुरक्षा का वातावरण बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपित पक्ष अपने मकानों की छतों पर पहले से ही पत्थर एकत्र कर रखता है, ताकि विवाद होने पर उनका इस्तेमाल किया जा सके। आरोप है कि पढ़ाई कर रहे और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं को जानबूझकर विवादों में फंसाने का प्रयास किया जाता है। पहले उनसे झगड़ा किया जाता है और बाद में उनके खिलाफ थाने में शिकायत या मुकदमा दर्ज कराने की कोशिश की जाती है, जिससे उनके भविष्य और रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। बताया गया कि गांव के कई युवक पहले भी ऐसे मामलों का सामना कर चुके हैं। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रवेश कुमार ने बताया कि संबंधित लोगों के विरुद्ध पहले से भी विभिन्न मुकदमे दर्ज हैं और वे लगातार गांव की शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास करते रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यदि किसी की संलिप्तता सामने आती है तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो माह में कबाड़ की दुकान में तीसरी चोरी, पीड़ित ने पुलिस पर एफआईआर दर्ज न करने का लगाया आरोप

नूरपुर के धामपुर मार्ग स्थित दुकान में नकब लगाकर हजारों का सामान चोरी, व्यापारियों में रोष

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस जहां सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त है, वहीं नूरपुर क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। धामपुर मार्ग स्थित एक कबाड़ की दुकान में अज्ञात चोरों ने दीवार में नकब लगाकर करीब 60 से 65 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित का आरोप है कि पिछले दो माह में उसकी दुकान में यह तीसरी चोरी है, लेकिन अब तक किसी भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई। पीड़ित मोहम्मद फिरोज ने बताया कि बुधवार देर रात चोर दुकान की पिछली दीवार में नकब लगाकर अंदर घुस गए और कबाड़ का सामान चोरी कर ले गए। गुरुवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो दीवार में नकब और सामान गायब देखकर घटना की जानकारी हुई। मोहम्मद फिरोज के अनुसार, उनकी दुकान में पहली चोरी 12 जून 2026, दूसरी 20 जुलाई 2026 और अब तीसरी घटना हुई है। उनका कहना है कि पहली चोरी में करीब ढाई लाख रुपये, दूसरी में लगभग 1.20 से 1.30 लाख रुपये तथा तीसरी चोरी में करीब 60 से 65 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि तीनों घटनाओं की तहरीर थाना नूरपुर में दी गई, लेकिन किसी भी मामले में अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उनका यह भी आरोप है कि पुलिस ने न तो सीसीटीवी कैमरों की जांच की और न ही चोरों की तलाश के लिए प्रभावी कार्रवाई की। दुकान के मालिक काजी इदरीस ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बताया कि दुकान किराये पर दी गई है और लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारी परेशान हैं। उनका आरोप है कि घटना की सूचना देने के लिए थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को फोन किया गया, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की। उन्होंने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश और दहशत का माहौल है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि पुलिस इस मामले में मुकदमा दर्ज कर चोरों तक कब पहुंचती है।

बिना पंजीकरण संचालित हेल्थ केयर सेंटर पर कार्रवाई की तैयारी, गर्भवती महिलाओं के ऑपरेशन का आरोप

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थाना शेरकोट क्षेत्र के ग्राम हरेवली स्थित रियांशी हेल्थ केयर सेंटर पर बिना पंजीकरण एवं निर्धारित मानकों के संचालन तथा गर्भवती महिलाओं के ऑपरेशन किए जाने के आरोप सामने आए हैं। मामले की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जानकारी के अनुसार, रियांशी हेल्थ केयर सेंटर का संचालन एक मकान में किया जा रहा था। आरोप है कि यहां बिना अधिकृत सर्जन के गर्भवती महिलाओं के ऑपरेशन किए जा रहे थे। बताया गया कि जांच के दौरान चार प्रसूताएं सेंटर में मौजूद मिलीं, जिनका ऑपरेशन किए जाने की बात सामने आई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से जुड़े एसीएमओ डॉ. विश्वकर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया सेंटर बिना पंजीकरण और मानकों के संचालित पाया गया है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार सेंटर को सील करने तथा संबंधित संचालकों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद महिला मरीजों के परिजनों ने भी सेंटर के संचालन और उपचार व्यवस्था को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों और हेल्थ केयर सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं जिलाधिकारी जसजीत कौर ने भी जिले में बिना अनुमति संचालित अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि यदि जांच में आरोप सही पाए गए तो संबंधित संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क धंसने की घटना पर प्रशासन सख्त, एनएचएआई ने मांगा तीन दिन में स्पष्टीकरण

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के ग्राम लहरावन के निकट एनएच-509 पर 2 अगस्त को सड़क धंसने से हुई दुर्घटना के मामले में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की सख्ती के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के बाद एनएचएआई की परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू), मुरादाबाद ने सड़क के अनुरक्षण एवं निगरानी से जुड़ी एजेंसियों मैसर्स कालूवाला कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. और मैसर्स के एंड जे प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. को अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में कहा गया है कि संबंधित एजेंसियां सड़क के नियमित निरीक्षण, समय पर अनुरक्षण, सुरक्षा उपायों और संरचनात्मक निगरानी जैसे संविदात्मक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में विफल रहीं। सड़क धंसने के संकेत मिलने के बावजूद समय रहते मरम्मत एवं आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए, जिससे गंभीर दुर्घटना हुई। एनएचएआई ने अपनी अनुपालन रिपोर्ट में जिलाधिकारी को बताया है कि घटनास्थल पर सड़क की मरम्मत कर मार्ग को यातायात के लिए सुरक्षित बना दिया गया है। साथ ही सड़क धंसने के कारणों की तकनीकी जांच भी कराई जा रही है। प्रारंभिक तौर पर भारी वर्षा और भूमिगत नहर निर्माण से जुड़ी परिस्थितियों को संभावित कारण माना जा रहा है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क सुरक्षा और अनुरक्षण में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिजनौर मेडिकल कॉलेज में खुद को डॉक्टर बताकर महिला से 1100 की ठगी, आरोपी फरार

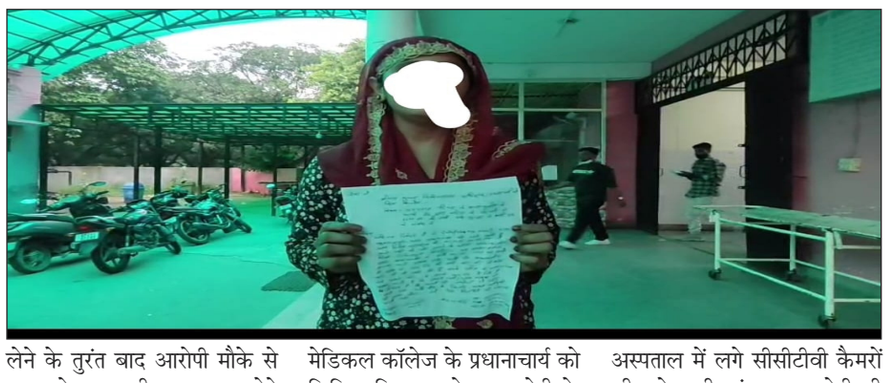

बिजनौर (सब का सपना):- बिजनौर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की इमरजेंसी में एक महिला से खुद को डॉक्टर बताकर खून चढ़ाने के नाम पर ड्1100 ठग लिए जाने का मामला सामने आया है। रुपए लेने के बाद आरोपी अस्पताल की इमरजेंसी से फरार हो गया। पीड़िता काफी देर तक उसे अस्पताल परिसर में तलाशती रही, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। जानकारी के अनुसार, महिला अपने बीमार पति का इलाज कराने के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने स्वयं को डॉक्टर बताते हुए मरीज को खून चढ़ाने की आवश्यकता बताई और इसके लिए ड्1100 ले लिए। पैसे लेने के तुरंत बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित महिला ने अस्पताल प्रशासन को घटना की जानकारी दी। इसके बाद महिला ने पुलिस, अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) तथा मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को लिखित शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और मरीजों से ठगी की घटनाओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़िता ने मांग की है कि अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर एसपी ग्रामीण ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

बुलंदशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन ने देर रात पहासू, अरनिया और डिबाई थाना क्षेत्रों में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान अरनिया क्षेत्र स्थित पहावटी मंदिर पहुंचकर कांवड़ यात्रा को लेकर की गई सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसपी ग्रामीण ने विभिन्न कांवड़ शिविरों का भ्रमण कर सुरक्षा, साफ-सफाई, यातायात, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था समेत कांवड़ियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कांवड़ लेकर आ रहे श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी और किसी भी समस्या की स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना देने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का रिस्पॉन्स टाइम भी चेक किया गया। एसपी ग्रामीण ने यातायात डायवर्जन प्लान की जानकारी लेते हुए रात्रि ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को रिफ्लेक्टर जैकेट और टॉर्च के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। वहीं, थाना अरनिया पुलिस की ओर से पहावटी मंदिर पर लगाए गए शिविर में कांवड़ियों के लिए खीर बनवाकर भंडारे का आयोजन भी किया गया।

जिला स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता का हुआ सफल आयोजन

जहांगीराबाद /बुलंदशहर(सब का सपना):- शिव कुमार अग्रवाल जनता इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानाचार्य सी.पी. अग्रवाल के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में बुलंदशहर एवं खुर्जा की टीमों के लगभग 10 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और अनुशासन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के आधार पर सभी खिलाड़ियों का चयन मंडल स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता, मेरठ के लिए किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सी.पी. अग्रवाल ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के खेल इंचार्ज विकास दीक्षित ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

कांवड़ मेले की तैयारियों का एसडीएम ने लिया जायजा, घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

अनूपशहर/ बुलंदशहर (सब का सपना):- आगामी कांवड़ मेले एवं शिवरात्रि पर्व को देखते हुए एसडीएम अरुण कुमार वर्मा ने जान्हवी घाट, नया घाट व चौहान की ठोकर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गंगा के जलस्तर का निरीक्षण करने के बाद कोतवाली प्रभारी जयकिशोर गौतम को घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा चौहान की ठोकर क्षेत्र में स्नान प्रतिबंधित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इंस्पेक्टर क्राइम व एसआई श्रवण कुमार सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

तेज बारिश से ढहा कच्चा मकान, मलबे से सुरक्षित निकाले गए बच्चे

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के विजयीपुर विकासखंड के ग्राम महेशपुर मठैठा में मंगलवार देर रात हुई तेज बारिश एक गरीब परिवार पर भारी पड़ गई। लगातार हुई वर्षा के कारण उमेश सिंह का जर्जर कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के समय परिवार के बच्चे उसी मकान की छत के नीचे सो रहे थे। छत गिरने की तेज आवाज सुनकर परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा तुरंत मलबा हटाकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में एक बच्ची को हल्की चोट आई, जबकि परिवार के अन्य सभी सदस्य सुरक्षित हैं। घटना के बाद परिवार दहशत में है और रहने के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उमेश सिंह का परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। उन्हें अब तक किसी भी सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका, जिसके कारण वे जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और पक्का आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल शिवदत्त पांडे ने बताया कि जीपीएस फोटो उपलब्ध होने के बाद मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा नियमानुसार सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मौसम विभाग द्वारा अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से जर्जर मकानों से दूर रहने और सतर्कता बरतने की अपील की है।

बुलन्दशहर में शातिर चोर गिरफ्तार, दो लाख के जेवर और 19 हजार नकद बरामद

बुलन्दशहर (सब का सपना):- थाना गुलावठी पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए करीब दो लाख रुपये कीमत के जेवरात और 19 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गुरुवार को थाना गुलावठी पुलिस ने विलायत नगर बंबे के पास से आरोपी चिंटू पुत्र रण सिंह निवासी ग्राम नूरपुर की मढ़ैया, थाना गुलावठी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 19 हजार रुपये नकद के अलावा दो जोड़ी बिछुए, अंगूठी, नाक की लौंग, जोड़ी कुंडल और चैन बरामद हुई है। इसके अलावा सफेद मोतियों की एक माला, जिसमें पीली धातु के चार पैंडिल लगे हैं, भी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 26 जुलाई 2026 को ग्राम नूरपुर की मढ़ैया में एक व्यक्ति के घर से नकदी और जेवर चोरी किए थे। इस मामले में थाना गुलावठी पर मुकदमा संख्या 368/2026, धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ गुलावठी और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में चोरी, चोरी का माल रखने तथा आर्म्स एक्ट सहित पांच मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक अनुज कटियार, हेड कांस्टेबल शेखर यादव, कांस्टेबल कुलदीप और कांस्टेबल अनुज यादव शामिल रहे।

नगर पालिका चेयरमैन दीप्ति मित्तल को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद बुलंदशहर की चेयरमैन दीप्ति मित्तल के जन्मदिन के अवसर पर शुभचिंतकों ने उनके आवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर जनसेवा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। शुभचिंतकों ने कहा कि श्रीमती मित्तल अपने सरल स्वभाव, कर्मठता और जनहित के कार्यों के कारण नगरवासियों के बीच लोकप्रिय हैं तथा उनके नेतृत्व में बुलंदशहर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

दिव्यांग शिवभक्त की अनोखी जागरूक कांवड़ यात्रा, हेलमेट और रक्तदान का दे रहे संदेश

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर निवासी जूनियर हेलमेट मैन ऑफ इंडिया जय भगवान सिंह अपनी 11वीं जागरूक साइकिल कांवड़ यात्रा पर हरिद्वार के लिए रवाना हो गए हैं। वे हर वर्ष की तरह इस बार भी गंगाजल लाने के साथ-साथ हेलमेट पहनने, सड़क सुरक्षा और स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दे रहे पैर से दिव्यांग होने के बावजूद जय भगवान सिंह ने अपनी दिव्यांगता को कभी बाधा नहीं बनने दिया। पिछले कई वर्षों से वे साइकिल के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट के महत्व और रक्तदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनकी यह अनोखी कांवड़ यात्रा समाज में प्रेरणा का केंद्र बन चुकी है। जय भगवान सिंह ने बताया कि वे हेलमेट मैन ऑफ इंडिया राघवेंद्र सिंह से प्रेरित होकर यह अभियान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें जूनियर हेलमेट मैन ऑफ इंडिया की उपाधि भी राघवेंद्र सिंह द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हेलमेट पुलिस से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपने परिवार से दोबारा मिलने के लिए पहनें। उनका कहना है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है और स्वैच्छिक रक्तदान से कई जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। जय भगवान सिंह ने श्रद्धालुओं और आमजन से अधिक से अधिक रक्तदान करने तथा सुरक्षित यातायात अपनाने की अपील करते हुए कहा कि भगवान शिव की सच्ची भक्ति मानव सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने में ही है।

गैस सिलेंडर की लीकेज से घर में लगी आग, खाद्यान्न व घरेलू सामान जलकर राख

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के खखरेरू थाना क्षेत्र के बसवां गांव में गुरुवार सुबह खाना बनाते समय सिलेंडर लीकेज होने से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घर में रखा खाद्यान्न, कपड़े और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों के कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित मिलन पुत्र श्याम लाल पासवान ने बताया कि सुबह उनकी बहू रसोई में खाना बना रही थी। इसी दौरान गैस सिलेंडर में लीकेज होने से अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखा सामान सुरक्षित निकालने का मौका नहीं मिल सका। पीड़ित के अनुसार आग में करीब 3 कुंतल गेहूं, 50 किलो चना, 50 किलो उड़द, 1 बोरी आटा, चार कुर्सियां, एक मेज, कपड़े तथा अन्य खाद्य सामग्री और घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। आग से परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। वहीं हल्का लेखपाल अनुज कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी तथा शासन की ओर से निर्धारित नियमों के अनुसार जो भी आर्थिक सहायता देय होगी, उसे दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

कहां गया विकास, बारिश में त्रिलोकीपुर गांव की सड़कें हुई जलमग्न, नौनिहालों को जलभराव के बीच जाना पड़ रहा स्कूल

शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार बेपरवाह, आखिर जलभराव की समस्या का समाधान करेगा कौन- ग्रामीणों का आरोप

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के तेलियानी ब्लॉक के ग्राम त्रिलोकीपुर में विकास कार्यों और ग्रामीण सुविधाओं को लेकर किए जाने वाले तमाम दावों की हकीकत बारिश की कुछ बूंदों ने ही सामने ला दी है। जनपद के विकासखंड तेलियानी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम त्रिलोकीपुर गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी ग्रामीणों के घरों के दरवाजे तक पहुंच गया है। सुबह से हो रही बारिश के चलते गांव की गलियां पानी से लबालब हो गईं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। हालात यह हैं कि रोजमर्रा के कामकाज के लिए घरों से निकलने वाले ग्रामीणों को जलभराव के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी छोटे-छोटे स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें जलभराव से होकर विद्यालय जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बच्चों और ग्रामीणों के कपड़े गंदे होने के साथ साथ मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले लोगों को फिसलने और चोटिल होने का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बारिश के पानी की निकासी के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। नालियों की स्थिति खराब होने अथवा जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण मामूली बारिश में ही गांव की गलियां तालाब का रूप ले लेती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि ग्राम पंचायत स्तर पर कराए गए विकास कार्य आखिर किस हद तक धरातल पर उतरे हैं? ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जलभराव की समस्या कोई नई नहीं है। बारिश के मौसम में हर वर्ष ग्रामीणों को इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में जिम्मेदारों की ओर से गंभीर व प्रयास नहीं किए गए। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि शिकायतों और समस्याओं के बावजूद न तो ग्राम प्रधान इस गंभीर समस्या को लेकर गंभीर दिखाई दे रहे हैं और न ही है संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने। जलभराव के कारण गांव में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। गंदा पानी लंबे समय तक जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है,

वहीं जलभराव के कारण जहरीले कीड़े-मकौड़ों के घरों में घुसने का खतरा भी बना हुआ है। यदि समय रहते पानी की निकासी नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में ग्रामीणों के सामने स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से दो दंपतियों में सुलह, साथ रहने को हुए राजी

बुलंदशहर (सब का सपना):- महिला सैल/परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलिंग के बाद पारिवारिक विवादों से जूझ रहे दो दंपतियों में आपसी सुलह हो गई। दोनों दंपतियों ने पुराने विवादों को भुलाकर साथ रहने और नए सिरे से वैवाहिक जीवन शुरू करने पर सहमति जताई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर के निर्देशन में वैवाहिक विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए महिला सैल/परिवार परामर्श केंद्र द्वारा लगातार काउंसलिंग की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को दो पारिवारिक विवादों में दोनों पक्षों को केंद्र पर बुलाकर उनकी समस्याएं सुनी गईं। काउंसलरों के समझाने और आपसी बातचीत के बाद दोनों मामलों में पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से सुलह-समझौता कराया गया। दंपतियों ने एक-दूसरे को विश्वास दिलाया कि वे बीती बातों को पीछे छोड़कर प्रेम और विश्वास के साथ जीवन व्यतीत करेंगे। परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों दंपतियों को नवजीवन की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं और भविष्य में आपसी मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने की सलाह दी।

कुख्यात रोहित गिरोह के बदमाशों को अवैध हथियार मुहैया कराने वाला आजम राजस्थान से गिरफ्तार, 25 मुकदमे हैं दर्ज

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर रोहित चौधरी गिरोह के बदमाशों को अवैध हथियार मुहैया कराने वाले बदमाश आजम को क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के टपूकड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। वह फतेहपुर बेरी का घोषित बदमाश है। उस पर दिल्ली-एनसीआर के थानों में मारपीट, आर्म्स एक्ट, डकैती, लूट और चोरी के 25 से अधिक मामले दर्ज हैं। पांच संगीन मामलों में वह वांछित था, जिस पर अदालत ने इसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया था। बताया गया कि आजम एक साल से अधिक समय से फरार था। इस दौरान वह राजस्थान के अलवर, तिजारा और टपूकड़ा में ठिकाने बदल-बदल कर रह रहा था। दिल्ली का रहने वाला डीसीपी हर्ष इंदौरा का कहना है कि आजम रोहित चौधरी के लिए काम करता था और गिरोह के बदमाशों को अवैध हथियारों की सप्लाई में सक्रिय रूप से मदद कर रहा था। वह मूलरूप से चंदन होला, दक्षिण दिल्ली का रहने वाला है। 2017 में फतेहपुर बेरी थाने के एक मामले में जमानत मिलने के बाद से वह फरार चल रहा था। वह पुलिसकर्मियों पर हमला करने और कानूनी कार्रवाई में बाधा डालने के कई मामलों में भी वांछित था। पुलिस टीम पर किया था हमला फतेहपुर बेरी थाने के बीट स्टाफ को साकेत कोर्ट द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट की तामील करने के लिए 15 सितंबर 2025 को आजम के घर भेजा गया था। उन पर आजम और उसके परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया था, जिससे पुलिसकर्मी घायल हो गए थे और सरकारी वाहन को भी नुकसान पहुंचा था।

अकेली महिला के घर लाखों की चोरी, नकदी-जेवर लेकर फरार हुए चोर

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- चांदपुर थाना क्षेत्र के मदरी गांव में गुरुवार देर रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए नकदी समेत लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय घर की महिला बाहर सो रही थी, जबकि चोर बाउंड्री फांदकर मकान के अंदर घुस गए। सुबह सामान बिखरा मिलने पर चोरी की जानकारी हुई। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, मदरी गांव निवासी कला देवी पत्नी रामसजीवन बुधवार रात घर के बाहर सो रही थीं। देर रात करीब दो बजे अज्ञात चोर बाउंड्री फांदकर घर में दाखिल हुए और कमरों में रखी अलमारी व बक्सों के ताले खोलकर नकदी तथा सोने-चांदी के कीमती आभूषण समेट ले गए। तड़के करीब तीन बजे कला देवी की नजर घर के अंदर बिखरे सामान पर पड़ी तो चोरी का पता चला। अलमारी और बक्सों में रखा सामान गायब मिलने पर उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और डायल 112 पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि कला देवी के पति रामसजीवन तथा दोनों बेटे कुलदीप और जसवंत परदेश में रहकर मजदूरी करते हैं। महिला घर पर अकेली रहती है। आशंका जताई जा रही है कि चोरों को इसकी पहले से जानकारी थी और उन्होंने इसी का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द खुलासा कर चोरी गए सामान की बरामदगी और क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा।

जब निकलें शिशु के दांत

हर मां यही चाहती है कि उसके बच्चों को दांत निकलने में कोई तकलीफ न हो और उसके दांत सुंदर और मजबूत निकलें। कई बार सही जानकारी न होने के कारण अकसर अभिभावक परेशान हो जाते हैं। अगर आपका शिशु भी उम्र की इस अवस्था से गुजर रहा है तो आप इन बातों का ध्यान जरूर रखें :

कैसे हों स्वस्थ दांत

- अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चों के दांत स्वस्थ हों तो इसके लिए गर्भावस्था के समय से ही आपको अपने खानपान पर ध्यान देना चाहिए। आपको दूध, केला, सेब, संतरा जैसे कैल्शियमयुक्त पदार्थो का सेवन करना चाहिए और साथ ही कैल्शियम की गोली भी नियमित रूप से लेनी चाहिए।

- इस दौरान टैट्रासाइक्लिन, आयरन सिरप और एंटीबॉयोटिक दवाओं का सेवन न ही करें तो अच्छा है, क्योंकि अगर गर्भावस्था के दौरान कोई स्त्री इन दवाओं का सेवन करे तो जन्म के बाद बच्चों के जो दांत निकलते हैं, उनमें दाग-धब्बे हो सकते हैं और उनकी बनावट भी टेढी-मेढी हो सकती है।
- प्राय: छह माह से एक वर्ष के भीतर बच्चों के दांत निकलना शुरू हो जाते हैं। अकसर पहले नीचे के दांत और उसके बाद ही ऊपर के दो दांत निकलते हैं। अगर ऊपर के दांत पहले आएं या बच्चों के दांत निकलने में निर्धारित समय सीमा से थोडी देर हो तो घबराना नहीं चाहिए।

क्या होते हैं लक्षण

बच्चों के दांत निकलने का सबसे प्रमुख लक्षण होता है कि उसके मसूढे सख्त हो जाते हैं, उनमें सूजन भी आ जाती है। बच्चा चिडचिडा हो जाता है, अकसर रोता भी रहता है। इसके अलावा वह चीजें भी उठाकर मुंह में डालता है। दरअसल बच्चों के मसूढे के मांस को चीर कर दांत बाहर निकलते हैं, इसलिए उनमें दर्द और खुजली होती है। इस तकलीफ से राहत पाने के लिए वह इधर-उधर की चीजें उठा कर उन्हें चबाने की कोशिश करता है। इससे गंदगी और वायरस उनके शरीर में चले जाते हैं। यही वजह है कि इस दौरान बच्चों को बुखार और लूज मोशन जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- दांत निकलने के दौरान बच्चे को ऐसी चीजें देनी चाहिए, जिनमें कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, विटमिन और मिनरल्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हों।
- दांत निकलने के दौरान बच्चों को केला, उबला हुआ सेब, संतरे का जूस, दाल, खिचडी और सूजी की खीर जैसी चीजें देनी चाहिए।
- उसे ऐसा मल्टी विटमिन ड्रॉप्स भी देना चाहिए, जिसमें विटमिन डी-3 हो। अगर दस माह तक बच्चों के दांत नहीं निकले हैं तो बच्चों को कैल्शियम सिरप देना चाहिए।
- बच्चों को धूप में लिटाना भी फायदेमंद होता है क्योंकि धूप में प्राकृतिक विटमिन डी होता है, जो उसके दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाता है।
- दांत निकलने के दौरान बच्चों घुटने के बल चलना सीख रहे होते हैं, इसलिए जमीन में गिरी चीजों को उठाकर मुंह में डालते हैं। इस वजह से घर के फर्श की सफाई का पूरा ध्यान रखें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा जमीन पर गिरी हुई कोई चीज उठाकर मुंह न डालने पाए।
- इस दौरान बच्चों को चबाने के लिए प्लास्टिक के खिलौने दिए जाते हैं, लेकिन ऐसा करते वक्त आप इस बात का ध्यान रखें कि खिलौने गरम पानी से धुले हों ताकि उनमें किसी तरह के कीटाणु न हों।
- इसके अलावा आप बच्चों के हाथ में खाने की कोई ऐसी सख्त चीज पकडा दिया करें, जिससे उसे मसूढे की खुजली से भी राहत मिले और उसकी सेहत को भी कोई नुकसान न पहुंचे। आप उसे गाजर, बिस्किट, नमकपारा आदि दे सकती हैं।

आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके बच्चों को दांत निकलने के दौरान जरा भी परेशानी नहीं होगी।

इन पर भी ध्यान दें

- दांतों की हलके हाथों से नियमित रूप से सफाई जरूरी है।
- दांतों की समस्याओं के लिए सदैव मान्यता प्राप्त व सही डाक्टर से परामर्श लें।
- वर्ष में कम से कम 2 बार दांतों का चेकअप अवश्य करवाएं।
- दांतों की सफाई पर ध्यान न देने पर एड्स व हैपीटाइटिस बी जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। मधुमेह के मरीजों को तो नियमित रूप से दांतों का चेकअप करवाना चाहिए।
- किसी भी प्रकार के धूम्रपान और तंबाकू, पानमसाला आदि के सेवन से भी दांतों में कैंसर की समस्या हो सकती है। इस से दांतों की आयु कम हो जाती है।
- 45 वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं में कैल्सियम की कमी के कारण दांतों की अनेक समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए।
- दांतों की सुंदरता बढ़ाने के कई तरीके हैं। आप ब्लीचिंग व लेमीनेशन जैसी आधुनिकतम सुविधाओं का प्रयोग कर अपने व्यक्तित्व की शोभा बढ़ा सकती हैं।

हेल्थ प्लस

फाइबरयुक्त फूड रखे तनाव से दूर

संतुलित आहार न सिर्फ आपकी सेहत को अच्छा रखता है, बल्कि तनाव को कम करने में मदद करता है। कुछ खास फूड और ड्रिंक्स सीधे तनाव का कारण बनते हैं। जैसे- कॉफी, चाय, चॉकलेट और केक आदि। इनमें कैफीन की मात्रा अत्यधिक पाई जाती है, जिनसे तनाव का स्तर बढ जाता है। इसलिए इनसे बचना ही बेहतर होता है।

क्या खाएं

- अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट्स को शामिल करें। चावल, पास्ता, आलू, ब्रेड, लो कैलरीज कुकीज कार्बोहाइड्रेट के प्रमुख स्त्रोत होते हैं इसके। अगर आप दिन में एक बेक्ड आलू या एक कप स्पैगेटी या चावल लेते हैं तो आपका पूरा दिन चिंतामुक्त और तनावमुक्त गुजरेगा।
- अपने आहार में फाइबरयुक्त चीजों को शामिल करें। फाइबर आपकी पाचन-क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। आपको अपने भोजन से प्रतिदिन लगभग 25 ग्राम फाइबर प्राप्त होता है। फल, सब्जियां और साबुत अनाज फाइबर के बेहतरीन स्त्रोत हैं। तनाव से बचने के लिए ब्रेकफास्ट में जूस की अपेक्षा पूरा फल खाएं। गेहूं से बनी ब्रेड, होल ग्रेन सीरियल्स लें। साबुत अनाज ब्रेन न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के उत्पाद को बढाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है।
- पर्याप्त सब्जियां अपने आहार में शामिल करें। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटमिंस और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, ताकि आप तनाव जैसी समस्याओं से लड सकें।

क्या न खाएं

- कैफीनयुक्त भोजन से बचें। कॉफी, ब्लैक टी नुकसानदेह होती है।
- तले और वसायुक्त भोजन से दूर रहें।
- हाई प्रोटीन फूड का भी कम प्रयोग करें।

सेहत संवारने के उपाय

आप अपनी दिनचर्या में कुछ कारगर उपायों को शामिल करके उनका प्रभाव देखें। इसके लिए आपको करना कुछ खास नहीं करना है, बस कुछ छोटी-छोटी किंतु महत्वपूर्ण बातों को अपनाना है।

- वे चीजें, जिनमें कैलरी ज्यादा हो, उन्हें थोडा ब्रेकफास्ट में और थोडा लंच में लें। दिन भर अगर आप गतिशील रहती हैं तो उनसे आपका मैटाबॉलिज्म मजबूत होगा व आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। एक्स्ट्रा कैलरीज जल्दी बर्न भी होंगी। डिनर में वसायुक्त भोजन न लें।

- अगर आप हाउसवाइफ हैं, घर में रोजमर्रा के काम करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपका काम करने का तरीका ऐसा हो, जिससे कैलरीज ज्यादा से ज्यादा बर्न कर पाएं। जल्दी-जल्दी उठने-बैठने की आदत डालें व आलस से दूर रहें।
- लिफ्ट या एलीवेटर के स्थान पर स्टेयर्स (सीढियों) का उपयोग करें।
- रोज एक बाउल ओटमील खाना भी कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए फायदेमंद रहता है।
- यदि ज्यादा खाने की आदत है तो धीरे-धीरे चबाकर खाना खाएं। एक बाइट (ग्रास) को कम से कम 20 मिनट लगाकर चबाएं। अधिक समय लगाने से पेट भरा लगेगा और पाचन-क्रिया ठीक होगी।
- थोडी-थोडी देर में कुछ खाने से भी आप एक बार भर पेट खाना खाने से बच पाएंगी और कम कैलरी लेंगी।
- सूप पसंद है तो उसे बनाकर फ्रिज में रखें। दोबारा गरम करने से पहले उसके ऊपर की टॉपिंग उतार दें, जिससे अतिरिक्त फैट उस पर से हट जाए।
- कैफीन व एल्कोहॉल से बनी चीजों से दूर रहें।
- शरीर में आयरन की कमी पता चले तो रोज पालक का जूस पिएं। प्राकृतिक आयरन हासिल करने का इससे बेहतर स्त्रोत और कोई और नहीं।
- पानी ज्यादा से ज्यादा पीने की आदत बनाएं, इससे लीवर ठीक से काम करेगा, पाचन-क्रिया दुरुस्त रहेगी, जिससे शरीर को फायदा होगा। इसका परिणाम आपके चेहरे पर भी नजर आएगा।
- एक्सरसाइज को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। उसकी शुरुआत वार्म अप एक्सरसाइज से करें व अंत कूल डाउन से। शरीर को धीरे-धीरे एक्सरसाइज के लिए तैयार करना जरूरी होता है।
- एक्सरसाइज के समय ढीले व नैचरल फैब्रिक से बने हलके कपडे पहनें। ऐसे, जो पसीने को सोख सकें व पहनने में आरामदायक हों।
- यदि आप एक्सरसाइज करते हुए संगीत सुनती हैं तो आप अधिक समय तक एक्सरसाइज करने के साथ उसे एंजॉय भी कर सकती हैं। कुछ भी ऐसा चुनें, जो अलग हटकर हो और आपको पसंद आए। एकाग्रचित्त होने के लिए इससे बेहतर विकल्प कोई नहीं।
- यदि एक्सरसाइज करते समय आपको दर्द, चक्कर, बैचेनी, सांस का सामान्य न रहना तो तुरंत डॉक्टर से राय लें। ध्यान रहे, किसी भी नई एक्सरसाइज की शुरुआत बिना किसी योग्य प्रशिक्षक की देख-रेख के न करें।
- दिन व्यस्तता से भरा हो तो ब्रिस्क वॉक के लिए 20 मिनट निकालें। इससे आपका तनाव कम होगा और मन तरोताजा हो जाएगा।
- वॉकिंग करते वक्त यदि आपके पेट में क्रैम्प्स पड रहे हों तो बीच-बीच में रुकें, कमर पर से आगे की तरफ झुकें, सांस अंदर-बाहर करें, धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेकर। इससे आपके पेट के निचले हिस्से के मसल्स को सामान्य होने में मदद मिलेगी।
- व्यस्त रोड या धुएं से भरे कमरे में एकसरसाइज करने से बचें। हमेशा प्रदूषण रहित साफ व खुला वातावरण एक्सरसाइज के लिए चुनें।
- सोच पॉजिटिव रखें व सदा मुस्कराती रहें।
- सोने व उठने का समय नियत करें व प्रतिदिन एक ही समय पर सोने जाएं।
- सोने से कुछ देर पहले लाइट बंद कर दें, जिससे नींद अच्छी आए। कोई अच्छी पुस्तक पढें या मधुर संगीत सुनें, वह नींद मीठी लाने में मदद करेगा।
- स्वास्थ्य से जुडी किसी समस्या के लिए जब भी कभी डॉक्टर के पास जाना हो पूछने वाले प्रश्नों की सूची बनाकर जाएं। जवाब लिख लें, न समझ आने पर दोबारा पूछें। यदि कोई दवा ले रही हैं तो वह भी बताएं। यदि किसी दवा से एलर्जी है तो उसे भी बताना न भूलें।

सिर दर्द

सिर दर्द होने का एक कारण आंखों की कमजोरी भी हो सकता है। आंखें कमजोर होने पर सिर दर्द ही क्यों होता है। यह प्रश्न विचारणीय है।

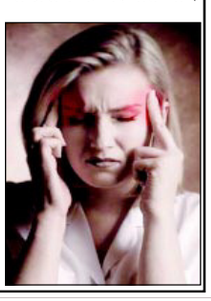

- सिर दर्द होने के दो कारण प्रमुख हैं- पहला आंखों में कम या ज्यादा भेंगापन होने से मांसपेशियों में असंतुलन होने से दर्द होना, दूसरा दृष्टिदोष, कमजोर नजरों (रिफरेक्टरी एरर) के कारण।
- आंखों में कालापानी या सूजन होने से भी सिर दर्द हो सकता है। आंखों में यदि अधिक दृष्टिदोष है, तो आंखों में तनाव पैदा होने से सिर दर्द होना स्वाभाविक है। इसके अलावा बुखार होने या प्रसव के पश्चात यदि हल्का सा भी दृष्टि दोष आंखों में उत्पन्न हो गया हो, तो सिर में दर्द होता है। सिर में दर्द होना एक आम बीमारी है यदि यह दर्द बार-बार होता है, तो नेत्र रोग चिकित्सक से जांच कराना उपयोगी होगा, क्योंकि सिर दर्द का सम्बन्ध आंखों की सम्बन्ध आंखों की कमजोरी से भी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3971

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3970 का हल

लॉफिंग जोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।' उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा। तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?
प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?
प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?
पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 3971

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3970

सूडोकु -3971

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3970 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 3971

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -3970 का हल

जब मैंने शुरुआत की थी तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी

दिव्येंदु बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के, एक नॉन फिल्मी परिवार से आते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनका यह सफर आसान भी नहीं रहा है। फिल्मी दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। फिर चाहे आप भले ही कितने टैलंटेड हैं। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से एक्टिंग सीखकर आए दिव्येंदु को भी रिजेक्शन के लंबे दौर से गुजरना पड़ा। यही नहीं, साल 2011 में 'प्यार का पंचनामा' से वाहवाही बटोरने के बावजूद अपने अपने हिस्से की लाइमलाइट के लिए 2018 का इंतजार करना पड़ा, जब 'मिर्जापुर' आई। बीते दिनों वेब सीरीज 'ग्लोरी' और फिल्म 'पेद्दी' में तारीफ पाने के बाद अब वह आगे 'मिर्जापुर : द मूवी' में फिर से मुन्ना भैया बनकर आ रहे हैं।

पिछले दिनों आई सीरीज 'ग्लोरी' में देव के किरदार के लिए सराहे गए दिव्येंदु बताते हैं, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी। तब एक ही पैटर्न पर फिल्में बनती थीं। कुछ जब हिट हो जाता था तो वैसी ही कहानियां और बनने लगती थीं। कास्टिंग जैसा प्रॉसेस तब बिल्कुल नहीं था। आज जैसे कास्टिंग डायरेक्टर तब होते नहीं थे, तो बड़ी मुश्किल होती थी कि जाएं तो जाएं कहां।'

कोविड महामारी से एक अच्छी चीज हुई

दिव्येंदु कहते हैं, 'कोई गॉडफादर नहीं हैं इंडस्ट्री में, किसी से जान पहचान नहीं है। मैं थिएटर और फिल्म स्कूल से एक्टिंग सीखकर आया था। कई बार जब ऑडिशन में बताया जाता था कि सीन को ऐसे ही करना है तो कई मौकों पर ये लड़ाई होती थी कि जब तुम ही बताओगे कि सीन कैसे करना है, तो मेरा टैलंट कहां है? सच कहूं तो कोविड महामारी वैसे तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, पर जैसे सागर मंथन से कुछ अच्छी, कुछ बुरी चीजें भी निकलती है। उसमें अच्छी चीज ये हुई कि लोगों ने अलग-अलग तरह की चीजें देखनी शुरू की।'

शुरआत में रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था दर्शकों के बदले रुझान पर बात करते हुए वह कहते हैं, 'कोविड से पहले, एक सेट थाली मिलती थी कि दाल, चावल, रोटी, सब्जी, यही फिल्म है। एक गाना होगा, ये इमोशन सीन है, ये बदला होगा, लेकिन महामारी के दौरान लोगों ने दुनिया भर का सिनेमा देखा, जिससे यहां भी अलग-अलग तरह की चीजें भी बनने लगीं। उसका बहुत फायदा मिला। मेरे करियर के शुरुआती दौर में ये चीजें नहीं थीं, तो रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था।'

गुस्सा आता था, लड़ता भी था

दिव्येंदु आगे बताते हैं उनके संघर्ष का दौर खासा निराशाजनक था। बकौल दिव्येंदु, 'ऑडिशन में ज्ञान देने वालों पर मुझे बहुत गुस्सा आता था। मेरी बहुत लड़ाइयां भी होती थीं और मैं कई जगह से ब्लैकलिस्टेड भी था। तब खुद पर विश्वास बनाए रखने के लिए मैं मिर्जा गालिब का एक शेर है, 'बाज़ीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज़ तमाशा मिरे आगे।', मैं वो पढ़ता था और मैं खुद से यही बोलता था कि अरे, इन लोगों को समझ नहीं है कि मैं कौन हूं। इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए खुद पर यह भरोसा जरूरी है।'

मुन्ना भैया ने मेरी टाइप कास्टिंग तोड़ी है

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का मुन्ना भैया हो या पिछली सीरीज 'ग्लोरी' का देव, दिव्येंदु डार्क किरदारों में ज्यादा नजर आते हैं। यह टाइप कास्टिंग है या उनकी चॉइस, यह पूछने पर वह कहते हैं, 'मुझे तो लगता है कि मुन्ना के बाद मुझे ज्यादा अलग-अलग किरदार ऑफर हुए। 'अग्नि', 'मडगांव एक्सप्रेस', 'लाइफ हिल गई' जैसे अलग-अलग काम मिले, तो मेरे लिए मुन्ना भैया ने टाइप कास्टिंग तोड़ी। वरना उससे पहले मैं कॉमेडी ही कर रहा था। जबकि, कॉमेडी मुझे ज्यादा मुश्किल लगती है। मेरी जो थिएटर में ट्रेनिंग रही है, फिल्म इंस्टीट्यूट में जो मेरी पढ़ाई रही है, मुझे ड्रामा, हैवी किरदार करना ज्यादा पसंद है।' हालांकि, दिव्येंदु यह भी कहते हैं कि उन्हें 'ग्लोरी' के देव का किरदार 'मिर्जापुर' के मुन्ना भैया से भी ज्यादा डार्क लगता है। वह कहते हैं, 'देव मेरी जिंदगी का सबसे डार्क किरदार है। मैंने उससे ज्यादा डार्क कभी कुछ नहीं निभाया।

विजय वर्मा ने स्ट्रगल के दिनों को किया याद

एक्टर विजय वर्मा आज अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 'गली बॉय', 'दहाड़' और 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों और सीरीज में उन्होंने शानदार काम किया है। लेकिन बॉलीवुड तक उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। विजय वर्मा ने प्रखर गुप्ता के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, 'मैंने हैदराबाद में थोड़ी-बहुत मॉडलिंग करने की कोशिश की थी, छोटे लेवल पर। लेकिन वहां एक अजीब मॉडल कोऑर्डिनेटर मिला। वो मेरे साथ गलत व्यवहार करने लगा, जैसे मुझे छूने की कोशिश कर रहा हो। मैंने उससे कहा, 'भाई ये क्या कर रहे हो?'' उन्होंने आगे बताया कि इस अनुभव से वह काफी निराश हो गए थे। विजय ने आगे कहा, 'जब आप नए होते हैं, तो जल्दी हिम्मत टूट जाती है। लेकिन फिर मैंने सोचा कि अगर मुझे एक्टिंग ही करनी है, तो मुझे डटकर सामना करना होगा।'

उन्होंने बताया, 'मैं हैदराबाद के सूत्रदार स्कूल ऑफ एक्टिंग गया और कहा कि मुझे एक्टिंग सीखनी है। लेकिन उन्होंने मुझे मना कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कमिटमेंट और मेहनत चाहिए, ये दो दिन का काम नहीं है। मुझे लगा कि वो मुझे मौका ही नहीं दे रहे।' इसके बाद विजय ने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में अप्लाई किया, लेकिन वहां भी पहली बार में उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और दूसरी बार कोशिश करने पर उन्हें एडमिशन मिल गया। वहां उन्होंने राजकुमार राव और जयदीप अहलावत जैसे एक्टर्स के साथ पढ़ाई की।

विजय वर्मा का वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो विजय वर्मा हाल ही में विभु पुरी की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में नजर आए थे। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी भी थे। यह फिल्म फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म थी। इसके अलावा विजय हाल ही में वेब सीरीज 'मटका किंग' में भी दिखे, जिसमें एक साधारण कॉटन व्यापारी के गैम्बलिंग डॉन बनने की कहानी दिखाई गई है।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम

तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ''साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।'' निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।'

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ''वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।'' बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।'' फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ''राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना और विकल्प मेहता जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

नए प्रोजेक्ट में फिर एक साथ नजर आने वाले हैं शरवरी वाघ और वेदांग रैना

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है। लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं।

लीड जोड़ी की वापसी

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।

किरदारों को चुनने में हमेशा सतर्क रहूंगी

चर्चित टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं।

पहले से ज्यादा जागरुक हो गई हैं अविका

बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ यह मानती हूं कि लोग मुझसे बहुत अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। कुछ ऐसे किरदार हैं, जो मैं अपनी फिल्मों में करती रहती हूं, जहां मुझे अभिनय करने का मौका मिलता है। मुझे यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं एक कलाकार के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा ध्यान हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने, सही किरदार चुनने पर होता है, जहां मुझे फिल्म में फर्नीचर बनने से ज्यादा कुछ करने का मौका मिलता है। यही वजह है कि मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने और सही किरदार चुनने को लेकर बेहद सचेत रहूंगी'।

दर्शकों और फैंस को कहा शुक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के किरदार से मशहूर हुई अविका ने कहा कि लगभग दो दशक बाद भी शो की लगातार लोकप्रियता के लिए वे शुक्रगुजार महसूस करती हैं।

रागिनी 3 में नजर आएंगी आरजे महवश

महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है। महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को लेकर तैयारी चल रही हैं। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'। महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मुझे यह मौका देने के लिए एकता कपूर मैम, बालाजी मोशन पिक्चर्स, श्रुति महाजन और हमारे निर्देशक शशांक घोष सर की हमेशा आभारी रहूंगी। बाकी तुम लोग अपने प्यार से संभाल लेना दोस्तों'।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।